मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

जौनपुर संस्करण
मुंबई
वर्षः 7 अंक 167
बूधवार, 01 जनवारी 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-8
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

मणिपुर हिंसा के लिए सीएम बीरेन सिंह ने मांगी माफी, कहा यह साल खराब रहा

नई दिल्ली, 31 दिसंबर। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने राज्य में पिछले एक साल से जारी हिंसा के लिए माफी मांगी है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि आने वाले साल में राज्य में शांति बहाल होगी।

बीरेन सिंह ने कहा, 'ये पूरा साल काफी दुर्भाग्यपूर्ण रहा। 3 मई के बाद से राज्य में जो कुछ भी हो रहा है, उसके लिए मैं राज्य के लोगों से माफी मांगना चाहता हूं। कई लोगों ने अपनों को खो दिया। कई ने घर छोड़ दिया। मुझे इस बात का दुख है। मैं माफी मांगता हूं।'

'लेकिन अब, बीते तीन-चार महीने से शांति की दिशा में जो प्रगति हो रही है, मुझे भरोसा है कि 2025 में राज्य में अमन चैन वापस लौटेगा। मैं राज्य के सभी समुदाय से अपील करना चाहता हूं कि अब तक जो हुआ, वो हुआ। आपको पिछली गलतियों को भूलना और माफ करना होगा। हमें शांत और संपन्न मणिपुर की ओर नई जिंदगी शुरू करनी होगी।'

मणिपुर में एक साल से भी ज्यादा वक्त से जारी हिंसा में अब तक करीब 180 लोगों की जान चली गई। विवाद तब शुरू हुआ, जब मैतेई समुदाय ने एसटी पहचा की मांग की और कुकी समुदाय ने इसका विरोध किया।

मणिपुरी की आबादी में करीब 53 फीसदी लोग मैतेई समुदाय से आते है। इनमें से ज्यादातर इंफाल घाटी में रहते हैं। जबकि नागा और कुकी की आबादी करीब 40 फीसदी है। ये समुदाय पहाड़ों पर रहता है।

बीते शुक्रवार को इंफाल ईस्ट जिले में दो गांवों में बंदूक और बम से हमला किया गया था। इसमें कोई घायल नहीं हुआ, लेकिन स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई थी। अधिकारियों ने बताया कि पहाड़ी इलाकों से हथियारबंद लोगों ने सनसाबी गांव और आस-पास के इलाकों में अंधाधुंध गोलीबारी और बम फेंकना शुरू कर दिया।

सोमवार को मणिपुर पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया था कि प्रतिबंधित संगठन पीआरईपीएके के दो आतंकवादियों को जबरन वसूली में उनकी कथित संलिप्तता के लिए मणिपुर के इंफाल पश्चिम जिले में गिरफ्तार किया गया है। उनके कब्जे से तीन मोबाइल फोन और 12 मांग पत्र भी जब्त किए गए हैं।

नए साल के पहले दिन दुनिया की आबादी भी बनाएगी रिकॉर्ड

न्यूयार्क, 31 दिसंबर। वर्ष 2024 में दुनिया की जनसंख्या में 7.10 करोड़ की बढ़ोतरी देखने को मिली और नए साल के पहले दिन आबादी का आंकड़ा 809 करोड़ हो जाएगा। यूएस सेंसस ब्यूरो द्वारा सोमवार को जारी अनुमान की मानें तो 2024 में आबादी में हुई 0.9 प्रतिशत की वृद्धि 2023 की 7.50 करोड़ बढ़ोतरी की तुलना में थोड़ी कम है। अनुमान के मुताबिक, जनवरी 2025 में दुनियाभर में प्रति सेकेंड 4.2 जन्म और 2.0 मौतें होने की संभावना है। 2024 में अमेरिका की आबादी में 26 लाख की बढ़ोतरी हुई और नए साल के पहले दिन अमेरिका की आबादी 34.1 करोड़ हो जाएगी।

महाकुंभ का शाही स्नान अब अमृत स्नान के नाम से जाना जाएगा, सीएम योगी ने प्रयागराज में की घोषणा

प्रयागराज/नई दिल्ली, 31 दिसंबर। सीएम योगी आदित्यनाथ मंगलवार को प्रयागराज पहुंचे। सबसे पहले उन्होंने नैनी स्थित बायो सीएनजी प्लांट का अनावरण किया एवं फाफामऊ स्थित स्टील ब्रिज का शुभारंभ किया। इसके बाद महाकुंभ कार्यों का निरीक्षण किया। घाटों की स्थिति देखी और गंगाजल का आचमन भी किया ।

बड़े हनुमान मंदिर में मत्था टेकने के बाद मेला प्राधिकरण के सभागार में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने बहुत समय से संतों द्वारा शाही स्नान के नए नामकरण की मांग का स्मरण कराया । साथ ही घोषणा कि महाकुंभ में शाही स्नान अब अमृत स्नान के नाम से जाने जाएंगे।

बैठक के दौरान कुंभ मेला अधिकारी विजय किरन आनंद ने महाकुंभ के कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि लगभग 200 सड़कों का कार्य पूरा हुआ है। इसमें फ्लाईओवर के कार्य भी शामिल हैं। शहर और बस स्टेशन, रेलवे स्टेशन पर होल्डिंग एरिया बनाने का काम पूरा हो चुका है।

मेला क्षेत्र में दो से तीन किलोमीटर पर पार्किंग का कार्य किया गया है,पांटून ब्रिज 30 की संख्या में बनाए गए हैं, 28 पूरी तरह से तैयार हैं। 12 किलोमीटर का अस्थाई घाट भी बनकर तैयार है, चकर्ड प्लेट 530 किलोमीटर के दायरे में बिछाई जा चुकी है। शुद्ध पेयजल की लाइन बिछाई जा चुकी हैं। सात हजार से अधिक संस्थाएं आ चुकी हैं और डेढ़ लाख से अधिक टेंट लगाए जा रहे हैं।

पाकिस्तान में अज्ञात हमलावरों के अटैक में दो पुलिसकर्मियों की मौत

पेशावर, 31 दिसंबर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा इलाके में अज्ञात हमलावरों द्वारा किए गए अटैक में दो पुलिसकर्मियों की मौत हो गई। वहीं एक पुलिसकर्मी घायल हो गया। यह हमला दक्षिण वजीरिस्तान की सीमा से सटे दरबान कलां में हुआ। घटना को अंजाम देने के बाद अज्ञात हमलावर भागले में कामयाब हो गए। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान से अलग हुए समूह दरबान इलाके में काफी सक्रिय हैं और अक्सर सुरक्षा बलों को निशाना बनाया है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, शाम के समय अक्सर तालिबान जिले की सड़कों पर कब्जा कर लेता है और वाहनों की चेकिंग शुरू कर देता है। सोमवार को जारी एक आधिकारिक रिपोर्ट के मुताबिक, सुरक्षा बलों ने 2024 में खैबर पख्तूनख्वा में 270 आतंकियों को मार गिराया। इसमें कई बड़े उग्रवादी भी थे, जिन पर इनाम घोषित था। प्रांतीय पुलिस विभाग द्वारा जारी आकंड़ों के मुताबिक, आतंकवाद के खिलाफ ऑपरेशन के दौरान 802 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही कंविक्शन रेट भी 13 फीसदी से बढ़कर 38 हो गया है। वहीं सुरक्षा बलों के खिलाफ हमले भी बढ़े हैं। इस साल 149 पुलिसकर्मियों को मार डाला गया, जबकि 232 घायल हो गए। अफगानिस्तान से सटे इलाकों में पाकिस्तानी सेना और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के बीच संघर्ष बढ़ता जा रहा है। अफगानिस्तानी मीडियो रिपोर्ट के मुताबिक खैबर पख्तूनख्वा के बाजौर जिले पर टीटीपी ने कब्जा कर लिया है। दरअसल अफगानिस्तान में टीटीपी के शिविरों को पाकिस्तान के लड़ाकू विमानों द्वारा निशाना बनाया गया था। तब से ही टीटीपी ने पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध छेड़ रखा है। टीटीपी के लड़ाकों ने सीमा पार करने का भी प्रयास किया।

बांग्लादेश में शरीया कानून लागू करने की तैयारी? शहीद मीनार पर जुटेंगे 30 लाख लोग

नई दिल्ली, 31 दिसंबर। बांग्लादेश में जिस छात्र आंदोलन ने शेख हसीना को सत्ता से उखाड़ फेंका था, वह एक बार फिर सक्रिय हो रहा है। आज राजधानी ढाका के शहीद मीनार पर छात्र नेता इकट्ठा होने जा रहे हैं। बांग्लादेश के कट्टरपंथी संगठन जमात-ए-इस्लामी ने इस कार्यक्रम का जमकर प्रचार किया है। कहा जा रहा है कि शहीद मीनार पर करीब 30 लाख लोग जुटेंगे। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार भी छात्र नेताओं के आगे नतमस्तक हो गई है। दरअसल बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की तरफ से यह कहा गया कि सरकार 'जुलाई क्रांति' का एलान करने का जा रही है। जिसे राजनीतिक दलों और छात्रों की मदद से तैयार किया जाएगा। लेकिन यह खबर आते ही छात्र नेता एक्टिव हो गए। उन्होंने कहा कि जुलाई क्रांति का एलान उनकी तरफ से किया जाएगा। शहीद मीनार पर होने वाली रैली में इसकी घोषणा की बात कही गई। छात्र नेताओं के एलान के बाद ही बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने हाथ खड़े कर दिए और कहा कि सरकार की तरफ से ऐसी कोई तैयारी नहीं है। जुलाई-अगस्त के विद्रोह में छात्रों और जनता की भागीदारी के माध्यम से, फासीवादी व्यवस्था को खत्म करने और एक नई राजनीतिक व्यवस्था स्थापित करने की प्रेरणा जगी, जिससे ऐतिहासिक संदर्भ में एक नए बांग्लादेश का जन्म हुआ। दरअसल छात्र नेता बांग्लादेश के संविधान में बदलाव करना चाहते हैं। दावा है कि उनकी पहली कोशिश बांग्लादेश का नाम बदलने की है। इसके अलावा बांग्लादेश में सुन्नत और शरीया को भी लागू किया जा सकता है। वहीं बांग्लादेश की सत्ता पर पूरी तरह से काबिज होने के लिए राष्ट्रपति और आर्मी चीफ से जबरन इस्तीफा लिया जा सकता है। मोहम्मद यूनुस को बांग्लादेश का राष्ट्रपति बनाए जाने की भी चर्चा है। छात्रों का कहना है कि वह बांग्लादेश में नया संविधान लाना चाहते हैं। उन्होंने 1972 में तैयार किए गए बांग्लादेश के संविधान को 'मुजीबिस्ट चार्टर बताते हुए कहा कि वह इसे पूरी तरह दफ्न कर देंगे।

दिल्ली चुनावों पर रेवड़ी कल्चर का खतरनाक साया

-ललित गर्ग

दिल्ली विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहे हैं, राजनीतिक सरगर्मी उग्र से उग्रत्तर होती जा रही है। आम आदमी पार्टी मतदाताओं को लुभाने की कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है। चुनाव से पहले अब आम आदमी पार्टी ने एक ऐसी लुभावनी, मतदाताओं को आकर्षित करने की योजना की घोषणा की है जिसके अन्तर्गत मंदिरों के पुजारियों और गुरुद्वारा साहिब के ग्रंथियों को 18 हजार रुपए महीने दिए जाएंगे। इस योजना का नाम पुजारी-ग्रंथी योजना है। मुस्लिम धर्म एवं उनके अनुयायियों को रिझाते-रिझाते एकदम से केजरीवाल को हिन्दू धर्म के पुजारी एवं सिख धर्म के ग्रंथी क्यों याद आ गये? विडम्बना है कि विभिन्न राजनीतिक दल मतदाताओं को लुभाने के लिए मुफ्त उपहार बांटने, तोहफों, लुभावनी घोषणाएं एवं योजनाओं की बरसात करने का माध्यम बनते जा रहे हैं। बजट में भी ह्यरेवड़ी कल्चरह्न का स्पष्ट प्रचलन लगातार बढ़ रहा है, खासकर तब जब उन राज्यों में चुनाव नजदीक हों। ह्यफ्रीबीजह्न या मुफ्त उपहार न केवल भारत में बल्कि पूरी दुनिया में वोट बटोरने का हथियार हैं। यह एक राजनीतिक विसंगति एवं विडम्बना है जिसे कल्याणकारी योजना का नाम देकर राजनीतिक पार्टियां राजनीतिक लाभ की रोटियां सेंकती है। अरविन्द केजरीवाल ने तो दिल्ली में अपनी हार की संभावनाओं को देखते हुए सारी हदें पार कर दी है। बात केवल आम आदमी पार्टी, कांग्रेय या भाजपा की ही नहीं है, बल्कि हर राजनीतिक दल सरकारी खजानों का उपयोग आम मतदाता को अपने पक्ष में करने के लिये करता है।

ह्यमुफ्त की सौगातह्न राजनीतिक फायदे के लिए जनता को दाना डालकर फंसाने वाली पहल है, एक तरह से दाना डालकर मछली पकड़ने जैसा है। ऐसी सौगातें सिर्फ गरीबों के लिए नहीं बल्कि सभी के लिए होती है, जिसके पीछे आम आदमी पार्टी के संयोजक जैसे राजनेताओं का एकमात्र उद्देश्य देश में अपनी और अपनी पार्टी का प्रभुत्व स्थापित करना है। केजरीवाल के द्वारा चुनावों में मुफ्त की घोषणाएं करना कोई नया चलन नहीं है। अपने देश में रेवड़ियां बांटने का वादा और फिर उन पर जैसे-तैसे और अक्सर आधे-अधूरे ढंग से अमल का दौर चलता ही रहता है। लोकलुभावन वादों को पूरा करने की लागत अंततः मतदाताओं को खासकर करदाताओं को ही वहन करनी पड़ती है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने भी मुफ्त रेवड़ियां बांटने के चलन पर गंभीर चिंता जताई थी। नीति आयोग के साथ रिजर्व बैंक भी मुफ्त की रेवड़ियों पर आपत्ति जता चुका है, लेकिन राजनीतिक दलों पर कोई असर नहीं। कई बार तो वे अपात्र लोगों को भी मुफ्त सुविधाएं देने के वादे कर देते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी कुछ समय पहले उन दलों को आड़े हाथों लिया था, जो वोट लेने के लिए मुफ्त की रेवड़ियां देने के वादे करते हैं। उनका कहना था कि रेवड़ी बांटने वाले कभी विकास के कार्यों जैसे रोड, रेल नेटवर्क आदि का निर्माण नहीं करा सकते। वे अस्पताल, स्कूल और गरीबों के घर भी नहीं बनवा सकते। यदि कोई नेता या राजनीतिक दल गरीबों को कोई सुविधा मुफ्त देने का वादा कर रहा है तो उसे यह भी बताना चाहिए कि वह उसके लिए धन कहां से लाएगा? अनेक अर्थशास्त्री मुफ्त उपहार बांटकर लोगों के वोट खरीदने की खतरनाक प्रवृत्ति के प्रति आगाह कर चुके हैं, लेकिन उनकी चिंताओं से नेता बेपरवाह हैं। वे यह देखने को तैयार ही नहीं कि अनाप-शनाप चुनावी वादों को पूरा करने की कीमत क्या होती है और उनसे आर्थिक सेहत पर कितना बुरा असर पड़ता है।

रेवड़ी संस्कृति अर्थव्यवस्था को कमजोर करने के साथ ही आने वाली पीढ़ियों के लिए घातक भी साबित होती है। इससे मुफ्तखोरी की संस्कृति जन्म लेती है। मुफ्त की सुविधाएं पाने वाले तमाम लोग अपनी आय बढ़ाने के जतन करना छोड़ देते हैं। दिल्ली में महिलाओं एवं किन्नरों को भी डीटीसी बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा की घोषणाएं की गयी है, जिन्हें इस तरह की सुविधा की जरूरत नहीं। आधी आबादी को मुफ्त यात्रा की सुविधा देने से दिल्ली में डीटीसी को हर साल करोड़ों रुपये तक का नुकसान हुआ है। इस राशि का उपयोग दिल्ली के इन्फ्रास्ट्रक्चर पर किया जा सकता है। लेकिन केजरीवाल ने ऐसी विकृत राजनीति को जन्म दिया है, जिसमें विकास पीछे छूट गया है। राजनीतिक दलों में ऐसी ह्नमुफ्त की संस्कृतिह्न की प्रतिस्पर्धा का परिणाम अनुसंधान एवं विकास व्यय, स्वास्थ्य व शिक्षा व्यय और रक्षा व्यय में कमी के रूप में देखने को मिले तो कोई आश्चर्य नहीं है। पिछले दस वर्षों में दिल्ली का विकास ठप्प है। हम दक्षिण कोरिया के रास्ते पर चलकर भविष्य में एक विकसित अर्थव्यवस्था बनेंगे या हमेशा एक ह्यविकासशील राष्ट्रह्न बने रहेंगे, यह हमारे द्वारा अभी चुने गए विकल्पों से निर्धारित होगा। ऐसी मुफ्त की सुविधा, सम्मान एवं लोकलुभावन की घोषणाओं से कहीं हम पाकिस्तान एवं बांग्लादेश की तरह अपनी अर्थ-व्यवस्था को रसातल में न ले जाये?

आप सुप्रीमो ने केवल आप सरकारों बल्कि विपक्षी दलों को अपने राज्यों में पुजारियों-ग्रंथियों को सम्मान राशि देने जैसे परियोजनाएं शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा है कि वे नई योजना में बाधा न डालें, ऐसा करके वे भगवान को क्रोधित करेंगे। भला राजनीतिक स्वार्थ की रोटियों के बीच भगवान कहां से आ गये? शिक्षा एवं चिकित्सा जैसी मूलभूत योजनाएं तो ठीक से चला नहीं पाते, अच्छे-भले सम्पन्न एवं निष्कंटक जीवन का निर्वाह करने वाले लोगों के लिये मुक्त की सुविधाएं कैसे कल्याणकारी हो सकती है? पंजाब विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी ने महिलाओं को नगद राशि देने की घोषणा की थी, क्या हुआ उस योजना का? दिल्ली में 250 से अधिक इमामों को 17 महीने से अधिक समय से वेतन नहीं मिला है। मुफ्त बिजली एवं पानी देने की घोषणाएं भी ठण्डे बस्ते में चली गयी। ऐसी अनेक घोषणाएं हैं जो चुनावी मुद्दा तो बनती है, मतदाताओं को लुभाती है, लेकिन चुनाव जीतने के बाद धरती पर उतरती कभी नहीं। सभी राजनीतिक दलों की बड़ी लुभावनी घोषणाएं होती हैं, घोषणा पत्र होते हैं-जनता को पांच वर्षों में अमीर बना देंगे, हर हाथ को काम मिलेगा, सभी के लिए मकान होंगे, सड़कें, स्कूल-अस्पताल होंगे, बिजली और पानी, हर गांव तक बिजली पहुंचाई जायेगी, शिक्षा-चिकित्सा निःशुल्क होगी। ये राजनीतिक घोषणाएं पांच साल में अधूरी ही रहती है, फिर चुनाव की आहट के साथ रेवडियां बांटने का प्रयत्न किया जाता है, कितने ही पंचवर्षीय चुनाव हो गये और कितनी ही पंचवर्षीय योजनाएं पूरी हो गईं पर यह दुनिया का आठवां आश्चर्य है कि कोई भी लक्ष्य अपनी समग्रता के साथ प्राप्त नहीं हुआ।

खुशहाल देश और समाज वही माना जाता है, जहां लोग निजी उद्यम से अपने गुजर-बसर संबंधी सुविधाएं जुटाते हैं। खैरात पर जीने वाला समाज विपन्न ही माना जाता है। लोग भी यही चाहते हैं कि उन्हें कुछ करने को काम मिले। इसी से उन्हें संतोष मिलता है। मगर हकीकत यह है कि देश में नौकरियों की जगहें और रोजगार के नए अवसर लगातार कम होते गए हैं। सरकारों की तरफ से ऐसे अवसरों को बढ़ाने के व्यावहारिक प्रयास न होने की वजह देश एवं प्रांत समग्र एवं चहुंमुखी विकास की ओर अग्रसर नहीं हो पाते हैं। सरकारें अपनी इस नाकामी एवं कमजोरी पर पर्दा डालने के लिए मुफ्त सहायता देने की परंपरा विकसित कर ली है। चाहे वह मुफ्त राशन हो, बेरोजगारी भत्ता हो या फिर महिलाओं को वजीफा हो, मुक्त बिजली-पानी हो, मुफ्त चिकित्सा हो, मुफ्त यात्रा हो, पुजारियों, मौलवियों एवं ग्रंथियों को मुफ्त वेतन हो- इस मामले में किसी भी राजनीतिक दल की सरकार पीछे नहीं है। अब तो इस मामले में जैसे एक-दूसरे को पछाड़ने की होड़-सी नजर आने लगी है। सवाल है कि सरकारें इस पहलू पर कब विचार करेंगी कि हर हाथ को काम मिले, रोजगार बढ़े, स्वरोजगार की स्थितियां बने। इस तरह देश साधन-सम्पन्न लोगों में मुफ्तखोरी की आदत डालना सही नहीं है। मुफ्तखोरी की राजनीतिक से लोकतंत्र को खतरा हो सकता है और इससे देश का आर्थिक बजट लडखड़ाने का भी खतरा है।

मुफ्त की रेवड़ी बाँट कर सरकारें फंस रही है कर्ज के जाल में

अशोक भाटिया

दिल्ली विधानसभा चुनाव फरवरी में हो सकते हैं और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल चुनाव से पहले जनता को लुभाने के लिए कई बड़े गिफ्ट्स लेकर आए हैं। चुनाव को लेकर सभी पार्टियों ने तैयारी तेज कर दी है लेकिन केजरीवाल धड़ाधड़ बड़े बड़े ऐलान करते जा रहे हैं। पिछले कुछ दिनों में आम आदमी पार्टी के संयोजक केजरीवाल ने दिल्लीवालों को खुश करने के लिए कई बड़े ऐलान किए हैं। लंबे समय से दिल्ली की सत्ता संभालने वाले केजरीवाल और उनकी पार्टी आप के लिए यह विधानसभा चुनाव कई मायनो में खास है क्योंकि केजरीवाल हर हाल में अपनी जीत को बरकरार रखना चाहते हैं। केजरीवाल ने पिछले कुछ दिनों में पांच बड़ा ऐलान किया है। इसमें महिलाओं के लिए 2100 रुपये महीना, संजीवनी योजना के तहत 60 साल से ज्यादा उम्र के लोगों का फ्री इलाज, बुजर्गों के लिए पेंशन स्कीम, 24 घंटे दिल्लीवासियों को साफ पानी और पुजारियों और ग्रंथियों के लिए सैलरी का भी ऐलान शामिल है। केजरीवाल के इन वादों को आप के नेता मास्टरस्ट्रोक बता रहे हैं तो वहीं भाजपा इसको लेकर हमलावर है। भाजपा इन वादों को दिल्लीवालों के लिए धोखा बता रही है। भाजपा का कहना है कि केजरीवाल सिर्फ लोगों से झूठा वादा कर रहे हैं और करदाताओं के पैसे का इस्तेमाल करके मुफ्त सुविधाएं (मुफ्त रेवड़ियां) दी जा रही हैं और यह देश को ‘दिवालियेपन’ की ओर धकेल सकती हैं। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया इसके पहले ही इस बात के लिए चेतावनी भी दे चुकी है ।

अब रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने मुफ्त की रेवड़ी बांटने वाले राज्यों को एक बार फिर चेतावनी दी है। भारतीय रिजर्व बैंक की एक रिपोर्ट में राज्यों को चेतावनी देते हुए कहा गया है कि कृषि ऋण माफी, मुफ्त बिजली एवं परिवहन जैसी छूट देने से सामाजिक और आर्थिक बुनियादी ढांचे के लिए उनके महत्वपूर्ण संसाधन खत्म हो सकते हैं।

कुछ समय पूर्व स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि मुफ्त का ह्यरेवड़ी कल्चरह्न देश के लिए बहुत घातक है। उन्होंने इस पर जोर दिया था कि देश के विकास पर नकारात्मक प्रभाव डालने वाली सभी बातों से दूर रहने की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री का इशारा चुनाव के समय राजनीतिक दलों की ओर से मतदाताओं को लुभाने के तरह-तरह के तरीकों की ओर था। अब देश के सर्वोच्च न्यायालय ने इसी तरह की टिप्पणी की है। एक याचिका पर सुनवाई करते हुए चीफ जस्टिस एनवी रमना, जस्टिस कृष्ण मुरारी और जस्टिस हिमा कोहली की बेंच ने कहा कि नीति आयोग, वित्त आयोग, सत्ताधारी दल और विपक्षी पार्टियों, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया और अन्य संस्थाओं को भी इस मामले में सुझाव देने चाहिए कि आखिर इस ह्यरेवड़ी कल्चरह्न को कैसे रोका जा सकता है। सवाल है कि देश के चुने हुए सर्वोच्च प्रतिनिधि से लेकर सबसे बड़ी अदालत तक इस कल्चर से क्षुब्ध क्यों है? सामान्य तौर पर हम सीधे कह सकते हैं कि सरकारें मुफ्त का कुछ भी नहीं देतीं। हमारा-आपका दिया हुआ टैक्स ही सरकारों के खर्चे के काम आता है। उसका एक बड़ा हिस्सा देश के लोगों पर खर्च कर सरकारें गलत कहां करती हैं? आखिर लोक कल्याणकारी राज्य की परिकल्पना भी तो यही है। हालांकि यहां थोड़ा रुककर समझने की जरूरत है। लोक कल्याण का अर्थ क्या लोगों को कर्तव्यहीन बना देना है। जो चीजें सामान्य नौकरी पेशा, छोटे व्यवसाय अथवा खेती की आय से प्राप्त की जा सकती है, उसके लिए सरकार के आसरे रहा जाए?

राजनीतिक दलों के चुनाव जीतने की महत्वाकांक्षा पूरी करने के लिए मुफ्तखोरी के वादे से संकट पैदा होते रहे हैं। सरकारों के 200 यूनिट तक बिजली मुफ्त देने और किसानों के कर्जे माफ कर देने की घोषणाओं पर अमल ने यह हालत बना दी है कि जिन घरों में पहले से ही बिजली की खपत कम है, वहां भी निश्चिंततापूर्वक 200 यूनिट बिजली खर्च करने की लापरवाही बढ़ी है। लगातार कर्ज लेने वाले किसान मान कर चलने लगे हैं कि चुनाव बाद ये कर्जे माफ कर दिए जाएंगे। इससे राज्य सरकारों के बजट पर असर पड़ा है। आज हालत यह है कि देश के 31 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 27 में वित्त वर्ष उनके ऋण अनुपात में 0.5 से 7.2 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। पंजाब तो अपने जीडीपी का करीब 53.3 प्रतिशत तक कर्ज ले चुका है। राजस्थान का यह अनुपात 39.8, पश्चिम बंगाल का 38.8, केरल का 38.3 और आंध्र प्रदेश का 37.6 प्रतिशत है। ये सभी राज्य राजस्व घाटा पूरा करने के लिए केंद्र सरकार से अनुदान लेते हैं। महाराष्ट्र और गुजरात जैसे आर्थिक रूप से मजबूत राज्य भी कर्ज-जीएसडीपी अनुपात 23 फीसदी और 20 फीसदी से गुजर रहे हैं।

राज्यों के आर्थिक हालात बताने के पीछे एक और तथ्य है कि केंद्र से मिलने वाली राशि का उचित उपयोग नहीं होता। प्राथमिक खर्चों की जगह कर्ज माफी की घोषणा पर अमल से इन राज्यों के आर्थिक हालात बदतर ही हुए हैं। अस्पताल और चिकित्सा के उपकरण, दवाइयों के अलावा स्कूली और स्वास्थ्य व तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र उपेक्षित हो रहे हैं।

ऐसे में सरकारों को चाहिए कि इस दिशा में केंद्र और न्यायालयों के कठोर रुख पर बेरुखी दिखाने की जगह स्वयं ही सकारात्मक सोच अपनाएं। आज बदतर होते आर्थिक हालात पर लोग श्रीलंका जैसी स्थिति उत्पन्न होने की आशंका जता रहे हैं। श्रीलंका में 2019 के चुनाव के पहले लोगों से वादा किया गया था कि उनके टैक्स आधे कर दिए जाएंगे। इस पर अमल से विदेशी मुद्रा भंडार खाली हो गया। श्रीलंका के हालात खराब होने के पीछे खेती की पद्धति में अचानक बदलाव जैसे दूसरे कारण भी हैं। फिर भी टैक्स अचानक आधा कर देने से त्वरित प्रभाव पड़ा।

श्रीलंका के विपरीत स्विट्जरलैंड का उदाहरण भी है। वहां एक सर्वे में लोगों को न्यूनतम आय के रूप में भारतीय मुद्रा में करीब डेढ़ लाख रुपये देने की पेशकश की गयी। इसे स्विट्जरलैंड के लोगों ने नकार दिया। उन्होंने रोजगार की जगह बेरोजगारी भत्ता जैसी सुविधा के प्रति भी नकारात्मक रुख दिखाया। ऐसा रुख दिखाने वाले करीब 77 फीसदी लोग थे। वहां के लोग सरकार की दीर्घकालीन आर्थिक नीति के सुदृढ़ होने के बारे में सोच रहे हैं। उसके विपरीत हम यहां सब कुछ मुफ्त मिलने की इच्छा को और अधिक बलवान बना रहे हैं। निश्चित ही इससे भविष्य संकट की ओर ही जाएगा।

मुफ्त की घोषणाओं और चुनाव जीतने के बाद उस पर अमल से हमारे देश की संवैधानिक संस्थाएं पहले भी चिंतित हुईं। स्वयं सुप्रीम कोर्ट ने 05 जुलाई, 2013 के एक अहम फैसले में चुनाव आयोग से कहा था कि वह राजनीतिक दलों से बात कर घोषणापत्रों के बारे में एक कानूनी गाइडलाइन तैयार करे। तब तत्कालीन मुख्य चुनाव आयुक्त वीएस संपत के नेतृत्व में राजनीतिक दलों की बैठक भी हुई। परंतु छह राष्ट्रीय दलों के साथ 24 क्षेत्रीय दलों में से सभी ने एक स्वर से घोषणापत्र पर अंकुश संबंधी योजना का विरोध किया। बाद में भी निर्वाचन आयोग ने चुनाव सुधार से जुड़े प्रस्तावों में घोषणापत्र को आदर्श आचार संहिता के दायरे में लाने की सिफारिश की। चुनावों में छह महीना रह जाने पर किसी भी सरकार की ओर से नई योजनाओं का ऐलान नहीं करने की राय भी दी गयी। यह भी सुझाव आया कि आयोग ऐसे घोषणापत्रों पर अंकुश लगा सकता है, जो निराधार हों और उन्हें पूरा करना संभव नहीं हो।

राजनीतिक पार्टियां चुनाव जीतने के लिए वादों की बौछार तो कर देती हैं, लेकिन इसका बोझ सरकारी खजाने पर पड़ता है। सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा था कि टैक्सपेयर के पैसे का इस्तेमाल कर बांटी जा रहीं फ्रीबीज सरकार को 'दिवालियेपन' की ओर धकेल सकती हैं।इतना ही नहीं, पिछले साल आरबीआई की भी एक रिपोर्ट आई थी। इसमें कहा गया था कि राज्य सरकारें मुफ्त की योजनाओं पर जमकर खर्च कर रही हैं, जिससे वो कर्ज के जाल में फंसती जा रही हैं।'स्टेट फाइनेंसेसः अ रिस्क एनालिसिस' नाम से आई आरबीआई की इस रिपोर्ट में उन पांच राज्यों के नाम दिए गए हैं, जिनकी स्थिति बिगड़ रही है। इनमें पंजाब, राजस्थान, बिहार, केरल और पश्चिम बंगाल शामिल हैं।

दरअसल, संवैधानिक संस्थाएं देश की आर्थिक हालात के साथ नागरिकों की मुफ्तखोरी के बढ़ते स्वभाव से चिंतित होती रही हैं। हाल के दिनों में चुनाव और चुनाव बाद की ऐसी प्रवृत्ति में बढ़ोतरी चिंताजनक है। माना कि नागरिकों की ओर से दिया जाने वाला टैक्स जनता पर खर्च होना चाहिए। यहां अपने देश के पारंपरिक विचार को ध्यान में रखना होगा। सूरज के समुद्र, नदियों और जल संग्रह वाली इकाइयों से भाप के रूप में उनका अंश लेकर बादल और फिर बरसात के रूप में धरती को इसलिए दिया जाता है कि किसान खेती कर सकें, लोग पीने का पानी संग्रह कर सकें। यह निरंतर चलने वाली प्रक्रिया होती है। एक ही बार जरूरत से ज्यादा बारिश भी कहर बरपा करती है। साइकिल, स्कूटी, मोबाइल फोन, लैपटॉप और टीवी जैसी वस्तुएं मुफ्त में देने और कर्जे माफ कर हम पीढ़ी-दर पीढ़ी लोगों को नकारा तो बना ही रहे हैं। साथ ही एक ऐसी व्यवस्था बना रहे हैं जहां से लौटना मुश्किल हो सकता है।

विश्व बंधुत्व की भावना से ही बनेगा वैश्विक परिवार

-रमेश सर्राफ धमोरा

1 जनवरी वैश्विक परिवार दिवस पर विशेष

-महात्मा गांधी का एक प्रसिद्ध भजन है वैष्णव जन तो तेने कहिये जे पीड़ परायी जाणे रे। दूसरों की पीड़ा समझने वाला ईश्वर के समान होता है। गांधी जी के इस भजन की पंक्तियों को भारत सही अर्थों में चरितार्थ कर रहा है। भारत हमेशा से ही विश्व बंधुत्व की भावना के सिद्धांत को अपनाकर उसी मार्ग पर चलाता आ रहा है। भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जो हमेशा से ही सभी को साथ लेकर चलने का प्रयास करता रहा है।

दुनिया के किसी भी देश में कैसा भी संकट आया हो भारत उसके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा नजर आता है। इसी को कहते हैं विश्व बंधुत्व की भावना। वैश्विक परिवार दिवस यदि दुनिया का कोई देश सही मायने में मनाता है तो वह भारत ही हैं। भारत में आज भी अतिथि देवो भव की भावना जिंदा है। यहां के लोग स्वयं भूखे रहकर अतिथियों को भोजन करवाना अपना परम धर्म समझते रहे हैं। वैश्विक परिवार का अर्थ है वसुधैव कुटुम्बकम इसका मूल सिद्धांत यह है कि संपूर्ण मानवता एक परिवार है। इस विचारधारा के अनुसार, प्रत्येक व्यक्ति चाहे वह किसी भी राष्ट्र, जाति, या धर्म से हो, एक ही व्यापक परिवार का हिस्सा है। इस सिद्धांत के अनुसार, विश्व में सभी का समान महत्व है और हर किसी को समान सम्मान मिलना चाहिए। दुनिया भर में लोग नए साल की पहली सुबह का आनंद उठाते हैं। लोग अपने दोस्तों, परिवार और करीबी लोगों के इस खास दिन का जश्न मनाते हैं। नए साल के साथ ही साल के पहले दिन यानी एक जनवरी को वैश्विक परिवार दिवस भी मनाया जाता है। हर साल एक जनवरी को मनाए जाने वाले इस दिवस के जरिए परिवारों के माध्यम से राष्ट्रों और संस्कृतियों में एकता, समुदाय और भाईचारे की भावना पैदा करता है। दुनिया में शांति बनाए रखने के लिए जरूरी है कि एक परिवार का निर्माण हो। ताकि विश्व में शांति की स्थापना होने के साथ ही हिंसा भी कम की जा सकें। जब पूरी दुनिया नए साल का जश्न मनाती है। उसी दिन पूरे विश्व में वैश्विक परिवार दिवस मनाया जाता है। ताकि विश्व में रहने वाले सभी लोग एक परिवार की तरह रहें। इस तरह विश्व के सभी राष्ट्रों और समुदाय में भाईचारे की भावना पैदा हो सके। वैश्विक परिवार दिवस जिसे विश्व शांति दिवस के रूप में भी जाना जाता है। दुनिया में सद्भाव और एकता की अवधारणा को बढ़ावा देने के लिए हर साल मनाया जाता है।यह दुनिया के एक वैश्विक गांव के विचार पर जोर देता है। जिसमें नागरिकता, सीमा या नस्ल की परवाह किए बिना हम सभी एक परिवार हैं। एक खुशहाल परिवार वह परिवार नहीं है जिसमें हर कोई एक दूसरे के जैसा सोचता, काम करता, महसूस करता या व्यवहार करता हो। एक खुशहाल परिवार की एक पहचान यह है कि पूरा परिवार एक दूसरे को वैसे ही स्वीकार करता हैं। यह दिन पूरे विश्व को एक परिवार मानता है। वैश्विक परिवार दिवस को शांति और साझाकरण के वैश्विक दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य बहुसंस्कृतिवाद, बहुलवाद को बढ़ावा देना और शांति और सद्भाव के साथ एक-दूसरे के साथ रहना सिखाना है। यह दिन विश्व के एक वैश्विक परिवार होने के विचार को बढ़ावा देता है। इसका उद्देश्य एकजुट होना और इस विचार को बढ़ावा देकर शांति का संदेश फैलाना है कि पृथ्वी एक वैश्विक परिवार है। ताकि दुनिया को सभी के लिए रहने के लिए एक बेहतर जगह बनाया जा सके। वैश्विक परिवार दिवस की उत्पत्ति दो पुस्तकों में हुई थी। पहली 1996 में अमेरिकी लेखकों स्टीव डायमंड और रॉबर्ट एलन सिल्वरस्टीन द्वारा लिखित वन डे इन पीस 1 जनवरी 2000 नामक बच्चों की किताब थी। वहीं दूसरी किताब अमेरिकी शांति कार्यकर्ता और लेखक लिंडा ग्रोवर का 1998 का यूटोपियन उपन्यास ट्री आइलैंडरू ए नॉवेल फॉर द न्यू मिलेनियम थी। विशेष रूप से ग्रोवर ने 1 जनवरी को शांति के वैश्विक दिवस के रूप में स्थापित करने काफी अहम भूमिका निभाई थी। इन किताबों के विचारों के आधार पर ही 1997 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1 जनवरी को शांति का एक दिन मनाने की घोषणा की। बाद में 1999 में संयुक्त राष्ट्र और इसके सदस्य देशों ने पहली बार वैश्विक परिवार दिवस मनाया गया। इस दिवस की सफलता को देखते हुए साल 2001 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इस दिन को एक वार्षिक कार्यक्रम के रूप में स्थापित किया। इसके बाद से हर साल एक जनवरी को वैश्विक परिवार दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। नए साल की शुरूआत के साथ ही इस दिन को मनाने का मकसद एक ऐसे समाज की स्थापना करने का प्रयास है जहां सिर्फ शांति हो। हालांकि यह एक नई शांतिपूर्ण दुनिया की शुरूआत थी और 1999 में सभी संयुक्त राष्ट्र सदस्य देशों को शांति निर्माण की दिशा में रणनीति विकसित करने के लिए उस विशेष वर्ष के पहले दिन को औपचारिक रूप से समर्पित करने का निमंत्रण मिला। इस दिन के सकारात्मक प्रभाव को देखते हुए 2001 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा वैश्विक परिवार दिवस को एक वार्षिक कार्यक्रम घोषित किया गया। पहला वैश्विक परिवार दिवस पहली बार वर्ष 2000 में एक जनवरी को देखा गया था। तब से हर साल नए साल के पहले दिन को वैश्विक परिवार दिवस के रूप में मनाया जाता है। नए साल के आगाज साथ ही वैश्विक परिवार दिवस भी मनाया जाता है। वैश्विक परिवार दिवस को हर साल एक जनवरी को मनाने का मुख्य उद्देश्य दुनिया के सभी देशों, धर्मों के बीच शांति की स्थापना करते हुए युद्ध और अहिंसा को टालना है। साथ ही यह भी कोशिश है कि आपसी मतभेदों को बात-चीत के जरिए से निपटाया जाए और एक शांतिपूर्ण समाज की स्थापना की जा सके। इस दिन के लिए परिवार को काफी अहम माना गया है। क्योंकि परिवार के जरिए ही विश्व में शांति स्थापित की जा सकती है। वैश्विक परिवार दिवस मनाने का सबसे अच्छा तरीका अपने परिवार के साथ दिन बिताना है। इस दिन लोग एक साथ रात्रिभोज की योजना बनाते हैं और अन्य पारिवारिक गतिविधियों का आनंद लेते हैं जो उनके बंधन को मजबूत करते हैं और शांति को बढ़ावा देते हैं। परिवार के साथ मनोरंजक गतिविधियों में एक साथ शिविर लगाना या एक साथ खाना बनाना, पिकनिक पर जाना, ट्रेक और बहुत कुछ शामिल हो सकता है। इस दिन को समुदाय के हिस्से के रूप में मनाने के लिए आप उन संगठनों के लिए स्वयंसेवक बन सकते हैं जो समुदाय का निर्माण करते हैं, हिंसा को कम करते हैं और अपने परिवार के साथ सुरक्षा को बढ़ावा देते हैं। आप वैश्विक शांति की दिशा में प्रयासों के बारे में कोई भी फिल्म देख सकते हैं। आज पूरी दुनिया में युद्ध का वातावरण बना हुआ है। कई देशों में युद्ध छिड़ा हुआ है तो कई देश युद्ध के मुहाने पर खड़े हुए हैं। तीसरे विश्व युद्ध की आशंका व्यक्त की जा रही है। लोग एक दूसरे के दुश्मन बनते जा रहे हैं। जरा जरा सी बात पर लड़ाई झगड़ा होने लगता है। ऐसे में वैश्विक परिवार दिवस हमारे लिए आशा की एक नई किरण लेकर आता है। इस दिवस से हमें पूरे विश्व को एक परिवार के रूप में बनाने की प्रेरणा मिलती है। यदि हम वैश्विक परिवार दिवस की अवधारणा के अनुरूप एक दूसरे के प्रति सहयोग की भावना अपना कर काम करे तो दुनिया शांति के पथ पर चलने लगेगी और सही मायने में इस दिवस की सार्थकता भी सिद्ध हो सकेगी।

नया वर्ष स्त्रियों के अधिकारों और सम्मान का वर्ष हो

संजीव ठाकुर

महिलाओं को सशक्त,सक्षम बनाया जाए

नव वर्ष 2025 के आगमन पर केवल शुभकामनाओं और बधाइयों के संदेश का आदान-प्रदान और उत्सव ना होकर नया वर्ष स्त्रियों के संपूर्ण सम्मान तथा वास्तविक अधिकार देने का वर्ष होना चाहिए। नव वर्ष में स्त्री, बच्चों तथा बुजुर्गों के लिए एक महती कार्य योजना तैयार कर उनका संरक्षण तथा उन्नयन निश्चित होना चाहिए। भारतीय संस्कृति और इतिहास में स्त्रियों को सदैव उच्च स्थान प्रदान किया गया है' यह भी मान्यता मानी गई है कि जिस घर में स्त्री का सम्मान होता है, वह घर धन-धान्य से परिपूर्ण हो कर समाज में विशिष्ट स्थान बनाता है' यही कारण है कि भारत देश को भारत माता कहा जाता है' नारी तथा समस्त स्त्री जाति ने भारत देश का मान सदैव शीर्षस्थ बना कर रखा है ऐसे अनगिनत उदाहरण इतिहास में और वर्तमान में हमारे समक्ष हैं जिससे हमारा सिर सदैव वैश्विक स्तर पर ऊंचा हुआ है। महान शासक नेपोलियन बोनापार्ट ने नारी की महत्ता को बताते हुए कहा था कि 'मुझे एक योग्य माता दे दो, मैं तुम्हें एक योग्य राष्ट्र दूंगा'। मानव कल्याण की भावना, कर्तव्य, सृजनशीलता और ममता को सर्वोपरि मानते हुए महिलाओं ने इस जगत में मां के रूप में अपनी सर्वोपरि भूमिका को निभाते हुए राष्ट्र निर्माण और विकास में अपने विशेष दायित्वों का निर्वहन किया है। किसी भी राष्ट्र के निर्माण में महिलाओं का महत्व इसलिए भी सर्वोपरि है कि महिलाएं बच्चों को जन्म देकर उनका पालन पोषण करते हुए उनमें संस्कार एवं सद्गुणों का उच्चतम विकास करती हैं,और राष्ट्र के प्रति उनकी जिम्मेदारी को सुनिश्चित करती है। जिससे राष्ट्र निर्माण और विकास निर्बाध गति से होता रहे। वीर भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, विवेकानंद जैसी विभूतियों का देश हित में अवतार माँ के लालन-पालन की ही देन है। जीजाबाई,जयंताबाई, पन्ना धाय जैसी अनेक माताओं को त्याग समर्पण और त्याग को भी इतिहास के पन्नों में स्वर्णिम अक्षरों से अंकित किया गया है। माताएं ही हैं जो बहुआयामी व्यक्तित्व का निर्माण और विकास करती है। मूलतः माताएं, स्त्रियां की राष्ट्र निर्माण की सशक्त सूत्रधार होती है। राष्ट्र निर्माण के संदर्भ में नारी विधाता की सर्वोत्तम और उत्कृष्ट कृति है। जो जीवन की बगिया को महकाती है और न केवल व्यक्तिगत बल्कि राष्ट्र निर्माण एवं विकास में अपनी महती भूमिका निभाती है। नारी के लिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि उनमें विविधता में एकता होती है। महिलाओं के बाह्य रूप और सौंदर्य तथा पहनावे में विस्तृत विविधता तो होती ही है, लेकिन उनके मानस में एक आकार और केंद्रीय शक्ति ईश्वर की तरह एक ही होती है। नारी का स्वरूप न केवल बाहर अपितु अंतर्मन के ममत्व भाव का वृहद स्वरूप का भी रहस्योद्घाटन करती हैं, नारी प्रकृति एवं ईश्वरिय जगत का अद्भुत पवित्र साध्य है, जिसे अनुभव करने के लिए पवित्र साधन एवं दृष्टि का होना आवश्यक है, नारी का स्वरूप विराट होता है जिसके समक्ष स्वयं विधाता भी नतमस्तक हो जाते हैं, नारी अमृत वरदान होने के साथ-साथ दिव्य औषधि भी है। समाज के सांस्कृतिक धार्मिक भौगोलिक ऐतिहासिक और साहित्यिक जगत में नारी यानी स्त्री का दिव्य स्वरूप प्रस्फुटित हुआ है और जिसके फलस्वरूप राष्ट्र ने नई नई ऊंचाइयों को भी शिरोधार्य किया है। सभ्यता, संस्कृति ,संस्कार और परंपराएं महिलाओं के कारण ही एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में हस्तांतरित होती हैं ।अतः महिलाओं की सामाजिक, शैक्षिक, धार्मिक कार्य शक्ति ही परिवार तथा समाज और राष्ट्र को सशक्त बनाते हैं। नारियों के संदर्भ में यह भी कहा गया है कि सशक्त महिला सशक्त समाज की आधारशिला होती है। माताएं शिशु की प्रथम शिक्षिका होती है। माता के बाद बहन,पत्नी का अवतार राष्ट्र निर्माण और विकास के साथ-साथ पथ प्रदर्शक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, पत्नी चाहे तो पति को गुणवान और सद्गुणी बना सकती है। इतिहास गवाह है कि जब भी कभी देश में संकट आया है तो पत्नियों ने अपने पतियों के माथे पर तिलक लगाकर जोश, जुनून और विश्वास के साथ रणभूमि भेजा है और विजयश्री प्राप्त की है। तुलसीदास जी के जीवन में आध्यात्मिक चेतना प्रदान करने के लिए उनकी पत्नी रत्नावली का ही हाथ था। विद्योत्मा ने कालिदास को संस्कृत का प्रकांड महाकवि बनाया था, इसके अतिरिक्त यह कहना भी गलत नहीं होगा कि पति को भ्रष्टाचार, बेईमानी, लूट,गबन आदि जो कि राष्ट्र को खोखला बनाते हैं जैसी बुराइयों से पत्नी ही दूर रख सकती है और उन्हें इन विसंगतियों से अपनी सलाह के अनुसार बचाती है। सही मायनों में महिलाएं ही संस्कृति, संस्कार और परंपराओं की संरक्षिका होती है। वे पीढ़ी दर पीढ़ी इसका संचालन आरक्षण करती आ रही है। पूरे विश्व में भारत को विश्व गुरु का दर्जा दिलाने में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण एवं महती रही है। स्वतंत्रता के आंदोलन की चर्चा ना करना इस आलेख को पूर्ण बनाता है, अतः स्वाधीनता के आंदोलन में महिलाओं ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर भारत के नवनिर्माण में अपना महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया है, कैप्टन लक्ष्मी सहगल, अरूणा आसफ अली, मैडम भीकाजी कामा,सरोजिनी नायडू, एनी बेसेंट, दुर्गा भाभी और न जाने कितनी महिलाओं ने राष्ट्र निर्माण और विकास में अपना अमूल्य योगदान दिया है। राजनीति के क्षेत्र में महिलाओं का योगदान भी अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है, विजयलक्ष्मी पंडित विश्व की प्रथम महिला जो संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष बनी, सरोजनी नायडू, सुचेता कृपलानी, इंदिरा गांधी जैसे महिलाओं ने राजनीतिक प्रतिभा का प्रयोग राष्ट्र निर्माण और विकास में किया है जो अपने समय के महत्वपूर्ण सशक्त हस्ताक्षर थी। वर्तमान में भी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, ममता बनर्जी, मायावती, स्मृति ईरानी, सोनिया गांधी,प्रियंका गांधी, हरसिमरन, कौर वसुंधरा राजे सिंधिया, प्रतिभा पाटिल, मृदुला सिन्हा आदि ने राजनीति मैं अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर अपने कार्यों से महिलाओं का सम्मान बढ़ाया एवं देश की अर्थव्यवस्था सुधारने में अपना योगदान दिया है।

मजदूरों को ले जा रहा पिकअप वाहन पलटा, 3 की मौत, 13 घायल

उज्जैन। महिदपुर रोड क्षेत्र में मंगलवार सुबह हुए सड़क हादसे में तीन मजदूरों की मौत हो गई। 13 अन्य श्रमिक घायल हो गए। पिकअप वाहन से मजदूर डेलची से महिदपुर रोड रेलवे स्टेशन जा रहे थे। इसी दौरान वाहन पलटने से हादसा हुआ। सभी घायलों को उज्जैन जिला अस्पताल उपचार के लिए भेजा गया। जानकारी के अनुसार, दुर्घटना मंगलवार सुबह 9.30 बजे डेलची-बंजारी मार्ग पर हुई। पिकअप वाहन में 35 से अधिक मजदूर सवार थे। ओवरलोडिंग के कारण दुर्घटना हुई। महिदपुर रोड पुलिस के अनुसार, दुर्घटना में कंचनबाई पति रामलाल, बलराम पिता रामलाल उम्र 15 साल, जशोदा पति गोवर्धन की मौके पर ही मौत हो गई। 13 घायल मजदूरों को जिला अस्पताल उज्जैन में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है।

शहरी सहकारी बैंकों की वृद्धि और मुनाफे में इजाफा, नेशनल अर्बन को-ऑपरेटिव फाइनेंस एंड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन का उद्देश्य

मुंबई (उत्तरशक्ति)। नेशनल अर्बन को-ऑपरेटिव फाइनेंस एंड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन ने मुंबई में शहरी सहकारी बैंकिंग क्षेत्र के आधुनिकीकरण के नए चरण की शुरुआत के लिए एक बैठक आयोजित की। इस बैठक में शहरी सहकारी बैंकों के भविष्य और अम्ब्रेला ऑर्गनाइजेशन की भूमिका पर चर्चा की गई, जो इन संस्थाओं के सतत विकास को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के उद्देश्य से बनाई गई है। बैठक में मिनिस्ट्री ऑफ को-ऑपरेशन, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, रजिस्ट्रार ऑफ को-ऑपरेटिव सोसाइटीज और शहरी सहकारी बैंकों के प्रमुख प्रतिनिधियों ने भाग लिया। चर्चा के दौरान शहरी सहकारी बैंकों की दीर्घकालिक स्थिरता, डेटा सुरक्षा में डिजिटल परिवर्तन को सुनिश्चित करने और गवर्नेंस ढांचे को मजबूत करने पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया। वक्ताओं ने चुनौतियों का सामना करने और विकास के अवसरों को साकार करने के लिए शहरी सहकारी बैंकों, नियामकों और सरकारी एजेंसियों के बीच अधिक सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। उद्घाटन भाषण में ज्योतिंद्र मेहता, चेयरमैन, ठवउत्र्छ्ठ ने एक महत्वाकांक्षी रोडमैप प्रस्तुत किया, जिसका उद्देश्य 2029 तक शहरी सहकारी बैंकों के मुनाफे को दोगुना करना है, ताकि यह क्षेत्र दीर्घकालिक स्थिरता और प्रतिस्पर्धात्मकता के लिए तैयार हो सके। श्री मेहता ने मजबूत गवर्नेंस और संचालनात्मक सुधारों की महत्ता को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा, "शहरी सहकारी बैंकों को बैंकिंग क्षेत्र में हो रहे परिवर्तनों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना होगा। उन्हें आधुनिक तकनीकों को अपनाना होगा और अनुपालन सुनिश्चित करना होगा, तभी वे सफलता प्राप्त कर सकते हैं। चर्चा के दौरान शहरी सहकारी बैंकों को अधिक लाभप्रदता और संचालनात्मक दक्षता की ओर मार्गदर्शन करने में अम्ब्रेला ऑर्गनाइजेशन, ठवउत्र्छ्ठ की भूमिका पर भी प्रकाश डाला गया। इस वर्ष की शुरुआत में सहकारिता मंत्रालय द्वारा लॉन्च किया गया ठवउत्र्छ्ठ, शहरी सहकारी बैंकिंग क्षेत्र के आधुनिकीकरण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का उद्देश्य रखता है। यह संगठन शहरी सहकारी बैंकों को डिजिटल परिवर्तन, अनुपालन और गवर्नेंस, तथा क्षेत्र के मानव संसाधन के कौशल विकास पर केंद्रित कई पहलों के माध्यम से समर्थन देने की योजना बना रहा है। मेहता ने यह भी बताया कि ठवउत्र्छ्ठ कई उत्पादों और सेवाओं को लॉन्च करने की तैयारी कर रहा है, जो बैंकों को नियामक आवश्यकताओं को कुशलतापूर्वक पूरा करने में मदद करेंगे। इसके अलावा, संगठन एक केंद्रीकृत आईटी प्लेटफॉर्म पेश करने की योजना बना रहा है, जो साइबर सुरक्षा कमजोरियों और संसाधन संबंधी सीमाओं को हल करने के लिए सुरक्षित और स्केलेबल समाधान प्रदान करेगा, जो कई शहरी सहकारी बैंकों को निर्बाध रूप से सामना करने में सशक्त बनाएगा।

भारतीय क्रिकेट टीम में घाटकोपर झुनझुनवाला कॉलेज की छात्रा सानिका चालके का चयन हुआ

मुंबई (उत्तरशक्ति)। चयन समिति ने अंतरराष्ट्रीय अंडर-19 क्रिकेट चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। घाटकोपर झुनझुनवाला कॉलेज की छात्रा सानिका चालके को टीम का उप-कप्तान चुना गया है। सानिका एसवाईबी कॉम मे दूसरे वर्ष की पढ़ाई कर रही है। वह कांजुरमार्ग में रहती है। उसकी इस उपलब्धि पर हिंदी विद्या प्रचार समिति के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र सिंह और खेल निदेशक यतिन राणे ने उसे बधाई दी है।

वाकी ग्राम पंचायत में महिला सम्मेलन का उत्साहपूर्ण आयोजन संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले के दहानू तहसील में एकीकृत बाल विकास सेवा योजना परियोजना के आशागढ़-2 बीट के अंतर्गत वाकी ग्राम पंचायत में एक भव्य महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विधायक विनोद निकोले की अध्यक्षता में तथा जिला परिषद सदस्य जयवंत डोंगरकर, सरपंच दिनेश दयात, ग्राम पंचायत सदस्या सावित्री कान्हात की प्रमुख उपस्थिति में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं के लिए आहार प्रदर्शन प्रस्तुत किये गये। इसके अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत स्थानीय महिलाओं ने पारंपरिक नृत्य और तारका नृत्य की शानदार प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम ने महिला सशक्तिकरण को प्रेरित किया और ग्रामीण महिलाओं में जागरूकता पैदा की। इस सम्मेलन को सफल बनाने के लिए बाल विकास परियोजना अधिकारी एवं स्थानीय ग्राम पंचायत ने विशेष प्रयास किये। इस मौके पर विधायक विनोद निकोले ने बोलते हुए कहा कि महिलाओं की प्रतिक्रिया से कार्यक्रम ने एक अलग रंग ले लिया है और ऐसी गतिविधियां समाज की प्रगति के लिए महत्वपूर्ण हैं। इस अवसर पर बाल विकास परियोजना अधिकारी सतीश पोल, प्रशिक्षण नागेश संखे एवं डॉ. धीरज महाले ने उपस्थित महिलाओं का मार्गदर्शन किया।

वाढवण पत्तन के लिए निकट-तट सुधार और तट संरक्षण के निर्माण हेतु मेसर्स आईटीडी सीमेंटेशन इंडिया लिमिटेड को सौंपा गया अनुबंध

मुंबई(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। वाढवण पत्तन परियोजना लिमिटेड (व्हीपीपीएल) के निदेशक मंडल ने मंगलवार 31 दिसंबर 2024 को आयोजित अपनी 8वीं बैठक में ग्रीनफील्ड वाढवण पत्तन के लिए निकट-तट सुधार और तट संरक्षण के निर्माण के लिए इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) अनुबंध देने की मंजूरी दी। यह अनुबंध सबसे कम बोली लगाने वाली कंपनी मेसर्स आईटीडी सीमेंटेशन इंडिया लिमिटेड को उनके 1648 करोड़ रुपये (जीएसटी को छोड़कर) के मूल्य पर दिया गया है, जो 1770 करोड़ रुपये (जीएसटी को छोड़कर) की अनुमानित लागत से 6.892 प्रतिशत कम है। स्वीकृत बोली को उचित और व्यवहार्य दोनों माना गया।

जनेप प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं व्हीपीपीएल के मुख्य प्रबंध निदेशक उन्मेष शरद वाघ, भा.रा.से., ने इस पर टिप्पणी करते हुए कहा कि ह्ययह अनुबंध वाढवन पत्तन के लिए मुख्य बुनियादी ढांचे की स्थापना की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। निकट-तट सुधार परियोजना के बाद के चरणों के लिए आधार तैयार करेगा, यह सुनिश्चित करते हुए कि हम एक मजबूत और टिकाऊ आधार के साथ आगे बढ़ें। जैसे-जैसे हम 2025 में कदम रख रहे हैं, हम काम में तेजी लाने और अपने लक्ष्यों की दिशा में निरंतर प्रगति करने के लिए तत्पर हैं।ह्व पुरस्कृत पैकेज में निकट तट क्षेत्र में लगभग 200 हेक्टेयर भूमि का विकास शामिल है, एक महत्वपूर्ण घटक और आवश्यक बुनियादी ढांचे सहित ग्रीनफील्ड वाढवण पत्तन परियोजना के अन्य प्रमुख पैकेजों को शुरू करने के लिए एक महत्वपूर्ण घटक है। निकट तट सुधार और तट सुरक्षा पैकेज के लिए निविदा का व्यापक रूप से प्रचार किया गया था, जिसके नोटिस पूरे भारत के प्रमुख दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित किए गए थे। निविदा दस्तावेज 22 अक्टूबर 2024 से ऑनलाइन उपलब्ध कराया गया था और जमा करने की समय सीमा 19 दिसंबर 2024 थी। तीन प्रतिष्ठित फर्म द्वारा नियत तिथि तक ऑनलाइन बोलियां प्रस्तुत कीं: 1. टीआईपीएल के साथ संयुक्त उद्यम में मेसर्स मैन इन्फ्रा कंस्ट्रक्शन लिमिटेड, 2. मेसर्स आईटीडी सीमेंटेशन इंडिया लिमिटेड, 3. मेसर्स नवयुग इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड । तीनों एजेंसियों को योग्यता मानदंडों को पूरा करते हुए पाया गया। इसके बाद 30 दिसंबर 2024 को मूल्य बोलियां खोली गईं और मेसर्स आईटीडी सीमेंटेशन इंडिया लिमिटेड को अनुबंध दिया गया। इसके साथ ही कुशल कार्यबल के लिए विचारशील सहयोग के माध्यम से कौशल विकास कार्यक्रमों पर भी जोर दिया जा रहा है। वापनि परियोजना लिमिटेड भारत की व्यापार क्षमता को बढ़ावा देने और वैश्विक समुद्री वाणिज्य में अपनी स्थिति को मजबूत करने वाली रणनीतिक परियोजनाओं को चलाने के लिए प्रतिबद्ध है। बतादें कि महाराष्ट्र के डहाणू के पास, पालघर जिले में स्थित, वाढवन पत्तन भारत का 13वां प्रमुख और सबसे बड़ा कंटेनर पत्तन बनने के लिए तैयार है। इसे सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के माध्यम से निर्मित टर्मिनलों के साथ एक भूस्वामी मॉडल के तहत विकसित किया जा रहा है।

टाटा अस्पताल में कैंसर मरीजों के बीच कंबल का वितरण

मुंबई (उत्तरशक्ति)। कैंसर मरीजों की सेवा ही सच्ची सेवा है इसी परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए मुंबई वैद्यकीय मदत कक्ष के संस्थापक अध्यक्ष कृष्णा कदम ने अपने जन्मदिन के अवसर पर टाटा अस्पताल के कैंसर रोगियों को ठंड से बचाने के लिए हजारों कंबल वितरित किए। संस्थापक अध्यक्ष कृष्णा कदम ने कहा कि वैद्यकीय मदत कक्ष की ओर से देश भर से टाटा अस्पताल में इलाज कराने के लिए अपने परिजनों के साथ आने वाले मरीजों को ठंड से सुरक्षा प्रदान करने के लिए कंबल का वितरण किया गया है।. वैद्यकीय मदत कक्ष मुंबई की एक संस्था है जो ग्रामीण और अन्य शहरी मरीजों को अस्पताल में बिस्तर और अन्य बीमारियों का इलाज उपलब्ध कराने का काम करती है। संस्था पिछले चार वर्षों से लगातार विभिन्न सरकारी योजनाओं को मरीजों तक पहुंचाने का काम कर रही है। अस्पताल के अधिकारियों ने संगठन के अध्यक्ष कृष्णा कदम को उनके जन्मदिन का केक काटे बिना उसी फंड से मरीजों के लिए कंबल खरीदकर सामाजिक परोपकार दिखाते हुए अपना जन्मदिन मनाने के लिए धन्यवाद दिया।

भाजपा वसई मंडल की बैठक सम्पन्न

वसई रोड (उत्तरशक्ति)। वसई रोड भारतीय जनता पार्टी शहर मंडल अध्यक्ष महेश सरवणकर द्वारा वसई वेस्ट के संघवी हाल में कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटील, भारतीय जनता पार्टी वरिष्ठ नेता और उद्योगपति चंद्रशेखर धुरी, विश्वास सावंत, सोशल मीडिया अध्यक्ष केतन गांधी, जिला महामंत्री अभय कक्कड़ ,जे पी सिंग, उदय शेट्टी, भारतीय जनता पार्टी जिला उपाध्यक्ष मैथ्यू कोलासो सर चिटनिस, दीपक शर्मा, बाला सावंत, महिला मोर्चा विधानसभा प्रमुख साधना धूरी, एससी मोर्चा अध्यक्ष अर्जुन इंगोले, एसटी मोर्चा अध्यक्ष चेतन पगी, सुरेश प्रजापति उपस्थित रहे। बैठक की शुरूआत भाजपा नेता चंद्रशेखर धुरी ने किया औरआगामी नगर निगम के चुनाव की तैयारी करने के लिए सभी कार्यकर्ता , पदाधिकारी को कैसे काम करने का लोगो को घर जाकर कैसे बातचीत करना इसकी विस्तृत जानकारी दिया। सदस्यता अभियान के जिला इंचार्ज विश्वास सावंत ने वसई मंडल में सदस्यता अभियान अनुसंधान विस्तृत जानकारी दिया साथ में जिला महामंत्री अभय कक्कड़ ने 5 जनवरी 2025 के दिन पूरा वसई में सदस्यता अभियान जगह-जगह पर जैसे की रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन, भीड़वाले इलाके में चार-चार कार्यकर्ता पदाधिकारी भाजपा का टोपी, दुपट्टा डालकर सदस्य का अभियान चलाएंगे। भाजपा जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटील ने सदस्यता अभियान अनुसंधान में कोई भी अड़चन आती है तो दूर करने का वादा किया और सदस्यता अभियान का स्कोर निर्धारित टारगेट को पूरा करने का वसई मंडल अध्यक्ष को पूरा सहकार देकर सदस्यता अभियान की कामगिरी पूरी करने को कहा। अंत में मंडल अध्यक्ष महेश सरवनकर ने किसी कार्यकर्ता अधिकारी को जब आवश्यकता पड़े तब सलाह सूचन देते रहेंगे। ऐसी मोर्चा अध्यक्ष अर्जुन इंगोले ने कार्यक्रम सफल करने के लिए सभी कार्यकर्ता पदाधिकारी का आभार जताया। महामंत्री दिपक शर्मा ने सुत्र संचालन किया।

उत्तम कुमार का जन्मदिन मनाया गया

वसई रोड (उत्तरशक्ति)। वसई रोड वेस्ट में भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में पार्टी के जिला उपाध्यक्ष और महाराष्ट्र प्रदेश केरल प्रकोष्ठ उत्तम कुमार का जन्मदिन मनाया गया। जिसमें अनेक कार्यकर्ता पदाधिकारी ने शुभकामना दिया। कार्यक्रम में वसई भाजपा वरिष्ठ नेता और उद्योगपति चंद्रशेखर धूरी, अभय कक्कड़, केतन गांधी, किरण पवार, सुरेश प्रजापति ,जीतू वेंगुर्लेकर , एडवोकेट प्रणीत, वसई मंडल सर चिटनिस बाला सावंत, सचिव दुर्लभ पढ़ीयार ,संचालक पूर्व मंडल अध्यक्ष रामानुजन, मैथ्यू कोलासो, मनोज चोटलिया, राजेश चोटलिया, कल्पेश चौहान, मनोज शर्मा, महिला मोर्चा विधानसभा प्रमुख एड. साधना धूरी, महामंत्री प्रज्ञा पाटिल, मोहन, कंचन सोनी, प्रिया प्रेमलवर, मलिक दादा, वसई मंडल अध्यक्ष महेश सरवनकर, सिद्धेश तावड़े, विजय राज गोर,सुरेश हेगडे, इनरिश, मनीष, शेमल ने पुष्प गुच्छ देकर शुभ कामना दिया। सभी कार्यकर्ता पदाधिकारी प्रशंसक ने उपस्थित होकर उत्तम की जीवन चरित्र कार्यशैली और कामकाज का तरीका की प्रशंसा किया और शुभ कामना दिया।

कैविनेट मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा को गनपति बप्पा की प्रतिमा प्रेम स्वरूप भेंट देकर सममानित करते हुए मलबार हिल भाजपा मंडल उपाध्यक्ष व विशेष कार्यकारी अधिकारी उदय लाड व अन्य भाजपा पदाधिकारी। छाया: उत्तरशक्ति

50वां स्वर्ण महोत्सव वर्ष पर वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले के चिंचणी तारापुर शैक्षणिक संस्थान के एम.के. जूनियर कॉलेज चिंचणी, दहानू के स्वर्ण जयंती वर्ष का वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष अजितभाई कपाड़िया ने किया। इस मौके पर बोलते हुए कहा कि हमने संस्था की स्थापना में योगदान दिया है लेकिन इसके लिए अध्यक्ष श्री रजनीकांतभाई श्रॉफ, प्राचार्य, शिक्षकों की कड़ी मेहनत महत्वपूर्ण है, सभी छात्र कल का भविष्य हैं, होनहार छात्रों और खेल के लिए विशेष पुरस्कार की घोषणा स्वर्ण जयंती वर्ष के मौके पर की गई। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रविकिरण पराडकर, पूर्व सहायक पुलिस आयुक्त, मुम्बई ने बोलते हुए कहा कि विद्यार्थियों को अपना लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए, इसके लिए उनमें आत्मविश्वास, कड़ी मेहनत, लगन, नियमित अभ्यास, आदर्श व्यक्ति का आदर्श सामने रखना, पढ़ाई, कार्य में निष्ठा, समय को महत्व देना , मन की एकाग्रता, साइबर अपराध से दूर रहें, आदि विषय पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर संस्था के चेयरमैन रजनीकांतभाई श्रॉफ, संस्था के कार्यकारिणी सदस्या डॉ. रमीलाबेन श्रॉफ व महेश पाटील, भरत बाणे, पूर्व उपप्राचार्य जनार्दन शिंदे, अनिल संखे, पूर्व उपप्राचार्य पुंडलिक सरोदे, पूर्व पर्यवेक्षक संजय घरत, प्राचार्य महेश रावते, उपप्राचार्य प्रो. सुनील बैसाणे, उपप्राचार्या संगीता चूरी, पर्यवेक्षक प्रो. सूरज आष्टेकर, प्रो. दिनकर टेकनर, कला शाखा के प्रमुख प्रो. हरीश वलवी आदि पदाधिकारी उपस्थित थे। प्राचार्य महेश रावते ने कार्यक्रम का परिचय दिया। रिपोर्ट उपप्राचार्या संगीता चुरी द्वारा पढ़ी गई। इस दौरान मान्यवरों के शुभ हाथों 'सागर मोती' पत्रिका के 26वें संस्करण का विमोचन किया गया। सागर मोती की संपादक प्रो उज्वला सूर्यवंशी ने अपने विचार व्यक्त किये।

इस मौके पर मान्यवरों के द्वारा मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारी, छात्र-छात्राएं एवं ग्रामीण उपस्थित थे। अध्यक्ष का परिचय अंजना निरगिडे तथा मुख्य अतिथि का परिचय प्रो. प्रीति राऊत ने दिया। वार्षिक पुरस्कार प्रो. लहू महाजन व प्रो. अदिति बाबरे द्वारा पढ़ा गया। कार्यक्रम का सूत्र संचालन प्रो. मेघा पाटील ने किया तथा पर्यवेक्षक प्रो. दिनकर टेकनर ने सभी उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

केप्री लोन्स को ईटी नाउ बेस्ट ब्रांड्स कॉन्क्लेव-2024 में बेस्ट ब्रांड्स का सम्मान मिला

मुंबई। केप्री लोन्स के ब्रांड नाम वाली देश की प्रमुख नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी, केप्री ग्लोबल कैपिटल लिमिटेड को आज ईटी नाउ बेस्ट ब्रांड्स कॉन्क्लेव-2024 में बेस्ट ब्रांड्स- 2024 अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। कंपनी के लगातार उम्दा कामकाज, विकास की राह पर मजबूती से बढ़ते कदम और देश में फाइनेंशियल सर्विस सेक्टर में शानदार योगदान की वजह से यह सम्मान दिया गया है। अपने क्षेत्र में ऊँचा मुकाम हासिल करने वाले और ग्लोबल-लोकल बेंचमार्क सेट करने वाले संगठनों को बेस्ट ब्रांड्स अवॉर्ड दिया जाता है। फाइनेंशियल ईयर 2023-2024 में केप्री लोन्स सबसे आगे रहा, और इस अवॉर्ड के लिए कंपनी को ब्रांड वैल्यू, लॉन्गेविटी, सालाना कारोबार, ग्रोथ रेट, ब्रांड रिकॉल, कर्मचारियों की संख्या और दूसरी उपलब्धियों जैसी सभी प्रमुख कसौटियों पर परखा गया। इस अवॉर्ड सेरेमनी का आयोजन मुंबई में किया गया था, जहाँ भारत के सबसे प्रभावशाली ब्रांड्स को सम्मानित करने के लिए इंडस्ट्री लीडर्स और इनोवेटर्स एकजुट हुए।

पंजाब नैशनल बैंक ने बैंकिंग परिवेश में कार्ड डेटा सुरक्षा के लिए वैश्विक स्वर्ण मानक

मुंबई। देश में सार्वजनिक क्षेत्र के प्रमुख बैंक, पंजाब नैशनल बैंक, ने बैंकिंग परिवेश में कार्ड डेटा सुरक्षा के लिए वैश्विक स्वर्ण मानक, पीसीआई-डीएसएस वी4.0.1 (पेमेंट कार्ड इंडस्ट्री डेटा सिक्योरिटी स्टैंडर्ड) को सफलतापूर्वक हासिल कर लिया है। यह प्रमाणन सुनिश्चित करता है कि कार्ड डेटा से जुड़ी सभी प्रमुख प्रक्रियाएं और प्रणालियाँ कड़ी सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करती हैं, जिससे ग्राहकों का विश्वास बढ़ता है और भुगतान सुरक्षा तंत्र भी मजबूत होता है। वीजा, मास्टरकार्ड और रूपे कार्डों को जारी करने वाला पीएनबी अपने भुगतान प्रणाली के ढांचे के प्रबंधन के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानकों के साथ उद्योग की अग्रणी प्रथाओं को लागू करने में हमेशा सबसे आगे रहा है। यह बैंक के ग्राहकों के विश्वास को मजबूत करने और ग्राहकों के डेटा की गोपनीयता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक अत्यधिक सुरक्षित प्रणाली बनाने के प्रयासों को दशार्ता है। बैंक के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ, श्री अतुल कुमार गोयल ने अत्यंत गर्व के साथ इस अभूतपूर्व उपलब्धि की घोषणा करते हुए प्रमाणीकरण को प्राप्त करने में शामिल समर्पित टीम को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा, हमें यह पीसीआई डीएसएस (श-4.0.1) प्रमाणन प्राप्त करके गौरवान्वित महसूस हो रहा है, जो हमारे ग्राहकों की भुगतान जानकारी की अखंडता और गोपनीयता बनाए रखने की दिशा में पंजाब नैशनल बैंक की अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है। इस अंतर्राष्ट्रीय मानक के साथ बैंक का अनुपालन हमारे ग्राहकों के डेटा की सुरक्षा करता है और हमारे हितधारकों के विश्वास को बढ़ाता है। यह नवाचार, सुरक्षा और अंतर्राष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं के पालन के साथ नेतृत्व करने के हमारे वादे को मजबूत करता है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

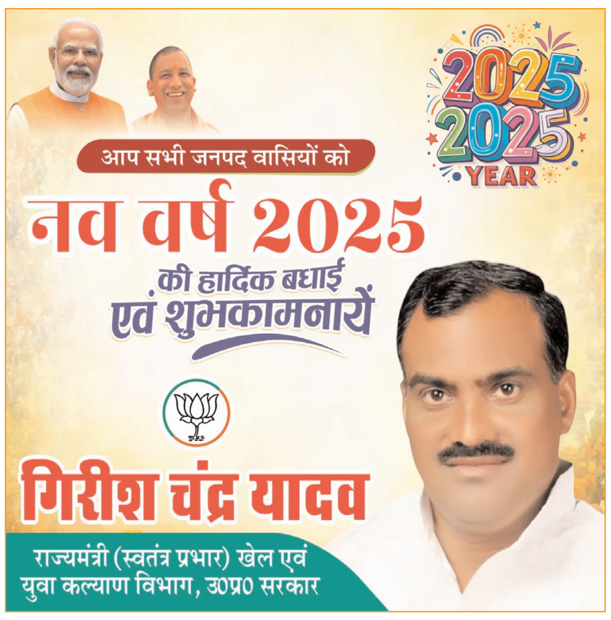

मानीकलां हाल्ट पर करोड़ों खर्च के बाद भी नहीं है किसी ट्रेन का ठहराव

छह वर्ष से अधिक समय से नहीं हुआ किसी भी ट्रेन का स्टॉप

जन प्रतिनिधियों से की मांग मानी कलां हाल्ट पर रूके ट्रेनें

डॉ.इम्तिताज अहमद की रिपोर्ट

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। करोड़ों खर्च के बाद भी नहीं है किसी ट्रेन का ठहराव जौनपुर जंक्शन से 22 किलोमीटर दूर मानीकलां हाल्ट का पहला शुभारंभ वर्ष 1957 में क्षेत्रीय जनता की सुविधाओं को देखते हुए मानी कला हाल्ट का शुभारंभ हुआ था।

हाल्ट पर वन एलवी, टू एलवी, वन एम वन,और टू एम एफ पैसेंजर ट्रेन का 18 दिया गया। परंतु आबादी बहुत कम होने के कारण ट्रेनों का 18 समाप्त कर दिया गया। परंतु आबादी की संख्या लगातार काफी अधिक हो जाने के कारण एवं गुरैनी स्थित विख्यात मदरसा में दो हजार की संख्या दूर एवं क्षेत्रीय बच्चे शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। ज्ञात हो कि जब 2002 को फैजाबाद वाराणसी रूट से गुजर रही श्रमजीवी एक्सप्रेस ट्रेन मानीकलां पर हादसे का शिकार हो गई थी। जिसमें कई लोगों की मौत भी हुई थी। ऐसे में 2 किलोमीटर पर स्थित गुरैनी मदरसा के जांबाज बच्चों ने हादसा स्थल पर पहुंचकर बचाव

कार्य किया था। जिसके कारण तत्कालीन रेल मंत्री नीतीश कुमार मौके पर पहुंचे थे और मदरसे के लोगों के काम को देखकर सराहना भी की थी इस समय मदरसा के नाजिम और स्थानीय ग्रामीणों के आग्रह पर रेल मंत्री ने मानी कलां हाल्ट पर पैसेंजर ट्रेनों के पुनः ठहराव और हाल्ट का नवीनीकरण का आश्वासन भी दिया था। हादसे के 10 दिन बाद 22 मई से हाल्ट पुनः आरंभ कर दिया गया। और लखनऊ वाराणसी के बीच चलने वाली पैसेंजर ट्रेनों का ठहराव और सुनिश्चित किया गया। मानीकलां हाल्ट का नवीनीकृत किए जाने के बाद 13 जुलाई 2002 को तत्कालीन रेल महाप्रबंधक ने उद्घाटन भी किया। तभी से पैसेंजर ट्रेनों का ठहराव मानी कलां हाल्ट पर लगातार होता रहा। इसी बीच

किसी कारणवश वर्ष 2017 के बाद पैसेंजर ट्रेनों का परिचालन इस रूट से बिल्कुल पूर्ण रूप से बंद कर दिया गया। जिससे मानी कलां, गुरैनी, भुड़कुडहा, मवई, सोगर, अमरेथुआ, भदैनी, बरंगी, लखमापुर, गयासपुर नोनारी,समेत दर्जनों गांव के लोगों के लिए ट्रेन से यात्रा करना मुश्किल हो गया है। और मानी कलां हाल्ट मात्र पैसेंजर के लिए शोपीस स्टेशन रह गया है। क्षेत्र के नवयुवक एवं आम जनमानस ने क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों से बढ़ती आबादी का बढ़ रहे समस्याओं से अवगत कराया। और मानी कला हाल्ट पर करोड़ों की लागत से स्थापित स्टेशन की सुविधाओं के बीच ट्रेनों का ठहराव सुनिश्चित किया जाए। जिससे आवागमन शुलभ हो सके ग्रामीणों ने लगाई उत्तरशक्ति न्यूज से गुहार- अनवारुद्दीन, लुकमान अहमद, फिरोज अहमद, रियाजुद्दीन, रेहान अहमद, राजीव कुमार बौद्ध, विरेंदर कुमार, जमशेद अहमद, हाजी रिजवान, कमालुद्दीन ज़िला पंचायत सदस्य, मोहम्मद आसिफ सिद्दीकी, मोहम्मद आमिर सिद्दीकी, राजकुमार मोदनवाल, दीपक प्रजापति, सुशील मोदनवाल, रामनाथ सोनकर, मोनू प्रजापति, राजेश गुप्ता, गोलू मोदनवाल, अनिका प्रसाद, विरेन्द्र कुमार, मोहम्मद अफजल, मोहम्मद अहमद, बिस्मिल्लाह, मोहम्मद अशहद, अमजद खान, अल्ताफ अहमद, अब्दुल माजिद, राजन मोदनवाल, ज्ञान कुमार, ओमलाल चौरसिया, संदीप, रेहान अहमद आदि ग्राम वासी।

चीन से उड़ी पतंग दुनिया पर छाई, बहुत ही रोचक है पतंगों का इतिहास

रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कहते हैं हर त्योहार की अपनी कुछ खासियत होती है।वही खासियत उस त्योहार को विशेष बना देता है। जैसे होली के लिए रंग, दीपावली के लिए पटाखे, ईद के लिए सेवई तथा क्रिसमस के लिए केक। ठीक उसी प्रकार नये वर्ष में मनाया जाने वाला पहला त्योहार खिचड़ी, जिसको अनेकों नामो से जाना जाता है जैसे उत्तरायण,मकरसंक्रांति, खिचड़ी संक्राति, पोंगल आदि। इस त्योहार की एक विशेष बात होती है कि इस दिन सभी आयु वर्ग के लोग पतंगबाजी का आनंद जरूर लेते हैं। मगर क्या आपको पता है इस हवा में उड़ते बेजाऩ कागज के परिंदों का इतिहास? इंसान ने जब परिंदों को आकाश में उड़ते देखा तो उसके मन विचार आया कि क्यों न कागज के टुकड़ों को भी आकाश में उड़ाया जाए। बस यही से पतंग की उत्पत्ति शुरू हुई और मनोरंजन, कला और संस्कृति का हिस्सा बन गयी। पतंग का इतिहास लगभग 2000 साल पुराना बताया जाता है जिसकी शुरूआत चीन के शानडोंग नामक शहर में हुआ था इसे पतंगों का घर भी कहा जाता है?। 549 ईसवी कागज की पतंगों को उड़ाया जाने लगा उस समय इसका इस्तेमाल संदेश भेजने में किया जाता था। एक मान्यता के अनुसार भारत में पतंग लाने का श्रेय चीनी यात्री हीनयान और व्हेनसांग को जाता है। 1898 से 1933 तक संयुक्त राज्य मौसम ब्यूरो ने मौसम के अध्ययन के लिए पतंग केंद्र बनाए थे जहाँ से मौसम संबंधित अध्ययन किए जाते थे। यदि इस कागज के परिंदों के बाजार की बात की जाए तो यह करोड़ों का कारोबार करता है जिसके लिए गुजरात, और उत्तर प्रदेश के बहुत से जिलें मशहूर हैं। बरेली, अलीगढ़, रायपुर, मुरादाबाद, और लखनऊ में तैयार पतंग, डोरी और मांझे लगभग पूरे भारत में सप्लाई किए जाते हैं। गुजरात में मकरसंक्रांति पर मनाया जाने वाला उत्तरायण पर्व पर पतंग महोत्सव में तो पूरी दुनिया से लोग अपनी पतंग का प्रदर्शन करने आते हैं। पतंग बाजी का जुनून केवल भारत में ही नहीं बल्कि पुरी दुनिया में हैं। इसके लिए एक विशेष दिन का चयन किया जाता है जिस दिन पतंगबाजी की जाती है जैसे आस्ट्रेलिया में फेस्टिवल ऑफ विड्स हर साल सितम्बर महीने में मनाया जाता है। चीन के वेईफांग शहर में अप्रैल महीने में काइट फेस्टिवल का आयोजन किया जाता है मान्यता यह है कि पतंग को देखने से आखो की रोशनी तेज होती है। इसी तरह जापान में मई माह के पहले सप्ताह में हमामात्सु के शिजुका प्रांत में पतंगोत्सव का आयोजन किया जाता है। इंडोनेशिया के बाली काइट फेस्टिवल में 4-10 मीटर चौड़ी और 100 मीटर लम्बी पूंछ वाली पतंग उडाई जाती है। यदि भारत की बात की जाए तो मकरसंक्रांति के अवसर पर पतंग उड़ाने का रिवाज है जिसके लिए अहमदाबाद और जयपुर में सबसे बडे.काइट फेस्टिवल का आयोजन किया जाता है। पतंग बाजी में रिकॉर्ड 2005 में कुवैत के काइट फेस्टिवल में अब्दुल रहमान और फारिश ने दुनिया की सबसे बड़ी 25 मीटर लम्बी और 40 मीटर चौड़ी पतंग उड़ाई थी। 2006 में एक ही डोर से 43 पतंगों को एक साथ उड़ाने का रिकॉर्ड चीन के मा क्विगहुआसेट के नाम है। उसी तरह पुर्तगाल के फ्रेसिस्को लुफिन्हा के पास 862 किमी लम्बी काइट सर्फिंग का रिकॉर्ड दर्ज हैं। 2011 में यूनाइटेड नेशनल रिलीफ एंड वर्क एजेंसी ऑर्गनाइजेशन ने फिलीस्तीनी बच्चों के लिए गाजा स्ट्रिप के समुद्र तट पर 12350 पतंगे उड़ा कर रिकॉर्ड बनाया। 2014 में आस्ट्रेलिया के राबर्ट मूरे ने 4900 मीटर ऊची पतंग उड़ाने का रिकॉर्ड अपने नाम दर्ज कराया है।

स्त्रोतः- सामान्य ज्ञान की पुस्तक तथा मीडिया के विभिन्न स्त्रोतों से

जमीन विवाद के निस्तारण में लापरवाही बन रही जौनपुर में बवाल-ए-जान

40 वर्ष के जमीन विवाद में ताइक्वांडो खिलाड़ी अनुराग यादव की गला काटकर हत्या

- **जमीन विवाद में अधिवक्ता मनोज कुमार की पीटकर हत्या**
- **पत्रकार आशुतोष श्रीवास्तव की गोली मारकर हत्या**

शिव कुमार प्रजापति

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला और तहसील प्रशासन की लापरवाही के चलते जिले में वर्ष 2024 में जमीन विवाद में हत्याकांड अधिक हुए हैं। अफसरों के निर्देश के बाद भी कानूनगो और लेखपाल पैमाइश और पत्थर नसब कराने में रुचि नहीं ले रहे हैं। इसका नतीजा है कि आए दिन जमीन के विवाद में खून बह रहा है। जमीन के विवाद में राजस्व विभाग के कर्मचारियों पर बगैर सुविधा शुल्क लिए कोई कदम नहीं उठाने के आरोप भी लगते हैं। जिससे भूमि विवादों का निपटारा नहीं हो पा रहा है।जबकि जमीन विवाद का निपटारा तुरंत करना थोड़ा मुश्किल होता है। जो व्यक्ति शिकायत करता है, वह सिर्फ अपना पक्ष ही रखता है। जब तक दोनों पक्षों को न सुना जाय, तब तक वास्तविकता समझना मुश्किल होता है। राजस्ववादों को निबटाने के लिए ही तहसील दिवस,थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया, मगर कोई भी अधिकारी मौके पर पहुंचकर न तो समाधान कराना चाहता है और न ही कोई एक्शन लेना चाहता है।

सिर्फ आख्या का दौर ही चलता रहता है। जिसके कारण जिले में राजस्ववादों की संख्या में लगातार इजाफा होता जा है। जिले में होने वाली आपराधिक घटनाओं में हर तीसरा मामला जमीन से जुड़ा होता है। भूमिधरी जमीन पर अवैध कब्जा, हिस्से के बंटवारे को लेकर विवाद कभी-कभी गंभीर रुप धारण कर लेते हैं। और हत्याकांड की खबर आम जनमानस को भय में डाल देती है। वर्ष के शुरूआती माह में ही जमीन के विवाद में भतीजे ने बड़े पिता की हत्या करने के बाद जनपद में सनसनी फैल गई थी मड़ियाहू कोतवाली स्थित नई गंज चौराहे की पास संजय सिंह उर्फ मुन्ना पर हथियार से हमला कर मौत के घाट उतार दिया गया था। जिसका कारण जमीनी विवाद बताया गया। जनपद जौनपुर के तहसील बदलापुर, जौनपुर (सदर), केराकत, मछलीशहर, मड़ियाहूं , शाहगंज. है जिन में औसतन राजस्व वादों की संख्या का निपटारा लंबे वर्षों से पेंडिंग होने के कारण नाली विवाद जमीन कब्जा सहित छोटे विवादों के कारण आपसी रंजिश बढ़ रहे हैं और आए दिन मारपीट हत्याओं का दौर जारी है ऐसे में न्याय पालिका पर भरोसा आम जनमानस का कम होता देखा जाता है। आशुतोष हत्याकांड सबरहद शाहगंज के बाद कुछ ही दिनों में सरकारी संपत्ति का विवाद खत्म कर तहसील प्रशासन ने भूमि पर कब्जा करते हुए नोटिस एवं सरकारी भूमि का बोर्ड लगा दिया। ऐसे में प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि जिस भूमि के लिए हत्याएं भी हो जाती हैं। परंतु मुकदमा समाप्त नहीं होता। ऐसे में कैसे कुछ ही दिनों में मुकदमा का निस्तारण होता है । आइजीआरएस जैसी मुख्यमंत्री शिकायत प्रणाली को अपने निस्तारण रिकॉर्ड से प्रदेश में अवार्ड हासिल करने वाली जौनपुर की सरकारी तंत्र आखिर हत्याओं को रोकने में क्यों असफल हो जाती है। ऐसी में प्रदेश के प्रशासनिक अमलें को भी गोपनीय विश्लेषण करना चाहिए। परंतु पुलिस विभाग हो या प्रशासनिक काफी अमलीजामा हो हल्ला के बाद कार्पेट पर निरीक्षण करने पहुंचती है। जहां पर सुरक्षा व्यवस्था के बीच आईजी डीएम जैसी सर्वोच्च अधिकारियों से फरियादी दूर-दूर से दर्शन भी नहीं कर पाते। और अधिकारी चौकीदार सफाई कर्मी क्लर्क पर अपनी गाज गिराकर कर इतिश्री कर लेते हैं। और विज्ञापन की दुनिया में दूसरे दिन व्यावसायिक प्रतिष्ठित न्यूजो में औचक निरीक्षण का न्यूज वायरल देखा जाता है। और फरियादी मायूस नजर आते हैं।

मानीकलाँ का राजकीय यूनानी चिकित्सालय हुआ जर्जर

जान जोखिम में डालकर चिकित्सक कर रहे इलाज

आफताब आलम की रिपोर्ट

मानीकलां,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राजकीय यूनानी चिकित्सालय कई साल से बदहाली का आंसू बहा रहा है। चिकित्सालय में बिजली, पेयजल सहित अन्य सुविधाओं का अभाव है। स्थिति यह है कि काफी जीर्णशीर्ण हो चुके ।चिकित्सालय भवन के छत के नीचे बैठकर चिकित्सक और कर्मचारी

रिपोर्टर आफताब आलम

जान को जोखिम में डालकर काम करते हैं। ग्रामीणों ने बताया इस अस्पताल की सुधि लेने वाला कोई नहीं है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया यहां वर्ष 1980-82 में जब राजकीय यूनानी चिकित्सालय की स्थापना कराई गई तो क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा की आस जगी। लेकिन, विभागीय उपेक्षा के चलते लंबे समय से स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव है। भवन के जर्जर होने के कारण चिकित्सकों तथा स्वास्थ्यकर्मियों को हमेशा अनहोनी की आशंका सताती रहती है। इस कारण वह अंदर बैठने में डरते हैं। अस्पताल परिसर में शुद्ध पानी की व्यवस्था तक नहीं है। परिसर में हैंडपंप तो लगा है लेकिन उससे दूषित पानी निकल रहा है। मरीजों को शुद्ध पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ता है। अस्पताल में एक अदद शौचालय भी नहीं है।चारदीवार के अंदर आसपास के कई लोग अस्पताल की जमीन पर अतिक्रमण कर रहे हैं। वहीं स्थानीय लोगों ने कहा कि अगर अस्पताल की मरम्मत नहीं की गई तो किसी हादसे की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता है ।इस मौके पर राजकुमार मोदनवाल, दीपक प्रजापति, सुशील मोदनवाल, रामनाथ सोनकर, मोनू प्रजापति, राजेश गुप्ता, गोलू मोदनवाल अनिका प्रसाद, विरेन्द्र कुमार, मोहम्मद अफजल, मोहम्मद अहमद, बिस्मिल्लाह, अमजद खान अल्ताफ अहमद, माजिद, राजन मोदनवाल, ज्ञान कुमार,ओमलाल चौरसिया, अब्दुल्लाह उर्फ (डम्पी) मोहम्मद ताहिर, नौशाद अहमद, अरशद खान, नियाज खान, संदीप जयसवाल, राजू जयसवाल बबलू जयसवाल आदि ग्राम वासियों ने जर्जर अस्पताल का निर्माण कराने की माँग की है।

गृह मंत्री अमित शाह के असंवैधानिक बयान पर इंकलाबी नौजवान सभा ने किया पुतला दहन

हिलसा (नालंदा) (नवशक्ति)। इंकलाबी नौजवान सभा ने संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर के खिलाफ गृह मंत्री अमित शाह द्वारा दिए गए असंवैधानिक और गैर-जिम्मेदाराना बयान के विरोध में हिलसा प्रखंड के विभिन्न गांवों में पुतला दहन किया। यह कार्यक्रम राज्यव्यापी विरोध के तहत आयोजित किया गया।

अकबरपुर पंचायत में विरोध प्रदर्शनः प्रदर्शन का नेतृत्व इंकलाबी नौजवान सभा के प्रखंड सचिव ब्रह्मदेव प्रसाद बिंद ने किया। अकबर, सरिस्ता नगर, और कृष्ण बीघा सहित कई गांवों में दर्जनों युवाओं और महिलाओं ने हिस्सा लिया। प्रदर्शनकारियों ने ₹बाबा साहब अंबेडकर का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान₹, ₹गृह मंत्री अमित शाह इस्तीफा दो₹, ₹संविधान को कमजोर करने की साजिश बंद करो₹ जैसे नारों के साथ विरोध जताया।

गृह मंत्री के बयान पर आक्रोशः पुतला दहन के दौरान सभा को संबोधित करते हुए ब्रह्मदेव प्रसाद बिंद ने कहा कि जिस संविधान के कारण संसद में प्रधानमंत्री और गृह मंत्री जैसे पद हैं, उसी संविधान के निमार्ता डॉ. अंबेडकर पर अपमानजनक बयान देना संसद की आत्मा का अपमान है। उन्होंने भाजपा सरकार पर दलितों, मजदूरों और किसानों के खिलाफ षड्यंत्र रचने का भी आरोप लगाया।

2025 विधानसभा चुनाव में सत्तापक्ष को उखाड़ने की

चेतावनीः ब्रह्मदेव प्रसाद बिंद ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर भाजपा सरकार को समर्थन देकर दलितों और पिछड़ों के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया। उन्होंने चेतावनी दी कि आगामी 2025 विधानसभा चुनाव में गरीब, दलित, मजदूर और किसान भाजपा सरकार को सत्ता से उखाड़ फेंकेंगे।

प्रदर्शन में शामिल वक्ताः पुतला दहन के दौरान सभा को जिला कमेटी सदस्य वाल्मीकि प्रसाद, कमलेश पासवान, संतोष पासवान, राहुल कुमार, सुदर्शन कुमार, सूरज कुमार, सोनू कुमार, गोल्डन कुमार, उदय कुमार और अमित कुमार ने भी संबोधित किया। इंकलाबी नौजवान सभा ने साफ किया कि डॉ. अंबेडकर के प्रति कोई भी असम्मानजनक रवैया बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, और इसके खिलाफ जोरदार आंदोलन किया जाएगा।

गोखुलपुर में 150 पशुओं का टीकाकरण, जागरूक भी किया गया

हरनौत (नालंदा) (नवशक्ति)। स्थानीय प्रखंड गोखुलपुर गांव में सोमवार को कैंप लगाकर 150 पशुओं का टीकाकरण किया गया। यह कैंप जिला पशुपालन के सौजन्य एवं कृषि विज्ञान केंद्र हरनौत के नेतृत्व में लगा।

उक्त गांव जलवायु अनुकूल कृषि पर राष्ट्रीय नवाचार कार्यक्रम (निक्रा) के तहत चयनित है। कैंफ में गलाघोंटू व लंगड़ी बीमारी से बचाव के लिए गाय व भैंसों को टीके लगाये गये। साथ ही पशुओं की देखरेख को लेकर पशुपालकों को जागरूक भी किया गया। पशुओं को किसी तरह की बीमारी होने पर तुरंत पशु चिकित्सक से संपर्क करने की सलाह दी गई। कहा गया कि थोड़ी सी लापरवाही भी भारी पड़ सकती है। कृषि विज्ञान केंद्र(केवीके) के पशु चिकित्सा

विशेषज्ञ डॉ. विद्याशंकर सिन्हा ने बताया कि सरकारी स्तर से राज्यभर में अभियान चलाकर पशुओं का निःशुल्क टीकाकरण किया जा रहा है। उसी अभियान के तहत नेहुसा में 62 पशुपालकों के 84 भैंस एवं 66 गाय को टीकाकरण करवाया गया है। जिसमें जनरल कैटेगरी के 39 व अनुसूचित जाति के 23 लाभुक थे। वहीं पशुपालकों को बताया गया कि यदि कोई पशु रोग से ग्रसित हो तो उसका जूठा स्वस्थ पशु को खाने या पीने नहीं दें। बीमार पशु से स्वस्थ पशुओं को दूर व सुरक्षित रखें। क्योंकि ये रोग संक्रमण से फैलते हैं।कैंप में प्रखंड पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रंजीत प्रसाद सिन्हा, कल्याणबिगहा के डॉ ?राजेश कुमार ,विवेक कुमार समेत अन्य मौजूद थे।

बिहारशरीफ में नालंदा ब्लड ग्रुप लगाएगा नेकी की दीवार, जरूरतमंदों की होगी मदद

संजय कुमार/बिहारशरीफ(नवशक्ति)। ठंड के मौसम में जरूरतमंदों की मदद के लिए नालंदा ब्लड ग्रुप ने एक बार फिर ह्यनेकी की दीवार लगाने का फैसला किया है। इस अभियान के माध्यम से गरीब और जरूरतमंद लोगों को सर्दी से बचाने के लिए गर्म कपड़े उपलब्ध कराए जाएंगे। नालंदा ब्लड ग्रुप के उपाध्यक्ष गिलानी आलम ने जानकारी देते हुए बताया कि इससे पहले भी नेकी की दीवार लगाई गई थी, जिससे करीब 500 लोगों को लाभ मिला था। कैसे काम करेगा यह अभियान नालंदा ब्लड ग्रुप ने बिहारशरीफ के निवासियों से अपील की है कि अगर उनके पास गर्म कपड़े हैं जो छोटे हो गए हैं या जिन्हें वे उपयोग में नहीं ला रहे हैं, तो वे इन्हें धोकर और आयरन करके अपने घर पर रखें। इसके बाद कपड़े देने के लिए नालंदा ब्लड ग्रुप के हेल्पलाइन नंबर 8125147042 पर संपर्क करें। ग्रुप के सदस्य आपके घर से ये कपड़े लेकर उन्हें नेकी की दीवार पर लगाएंगे। शर्मिंदगी से बचाएगा यह प्रयास गिलानी आलम ने बताया कि यह दीवार उन लोगों के लिए खासतौर पर मददगार होगी, जो सार्वजनिक रूप से मांगने में हिचकिचाहट महसूस करते हैं। ऐसे लोग रात के अंधेरे में यहां से गर्म कपड़े ले जा सकते हैं और उनका उपयोग कर सकते हैं। 24 घंटे में उठाई जाएगी सामग्री टीम ने कहा है कि जिन लोगों के पास देने के लिए कपड़े हैं, वे अपना पता हेल्पलाइन नंबर पर भेजें। टीम के सदस्य 24 घंटे के भीतर कपड़े एकत्र कर लेंगे। अभियान का उद्देश्य सर्दी के मौसम में जरूरतमंदों को गर्म कपड़े उपलब्ध कराना है ताकि कोई भी ठंड से परेशान न हो। आपकी छोटी मदद से किसी की बड़ी समस्या का समाधान नालंदा ब्लड ग्रुप ने आम जनता से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि आपके द्वारा दिया गया एक छोटा सा प्रयास किसी जरूरतमंद के लिए बड़ा सहारा बन सकता है। इस नेक काम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और समाज के कमजोर वर्ग की मदद करें। हेल्पलाइन नंबरः 8125147042 आयोजकः नालंदा ब्लड ग्रुप सम्पर्क करें और इस मुहिम का हिस्सा बनें।

जिला निबंधन परामर्श केंद्र का योजना पदाधिकारी बांका द्वारा किया गया औचक निरीक्षण

कटोरिया/बांका (विजय आनंद)। सोमवार को जिला पदाधिकारी बांका अंशुल कुमार के निदेर्शानुसार आज जिला योजना पदाधिकारी, बांका बबन कुमार के द्वारा जिला निबंधन परामर्श केंद्र बांका का औचक निरीक्षण किया गया तथा साथ ही साथ प्रबंधक रजनीश राज एवं अन्य कर्मियों के साथ समीक्षात्मक बैठक की गई। बैठक में कम आवेदन आने पर खेद प्रकट किया गया तथा साथ ही मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना में अपेक्षित प्रगति लाने के लिए सभी २६ङ्क को निर्देशित किया गया। मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता में ड्रॉप आउट १३ङ्क को कम करने के लिए सभी आवेदक से दूरभाष के माध्यम से संपर्क संपर्क स्थापित कर सूचित करने के लिए कहा गया। विभाग के द्वारा 318 आवेदक का आधार सीडिंग करने के लिए कहा गया है जिसे जिला योजना पदाधिकारी ने सभी आवेदकों को सूचित करने के लिए कहा। स्वयं सहायता भत्ता में बहुत सारी आवेदक अभी भी कुशल युवा कार्यक्रम का लाभ नहीं ले चुके हैं जिसे योजना पदाधिकारी ने जल्द से जल्द लाभ दिलवाने के लिए प्रबंधक डीआरसीसी को आदेशित किया। बैठक में डीआरसीसी पदाधिकारी वली इमाम खान, संजय सुमन एवं प्रीति कुमारी थी ?

आचार्य किशोर कुणाल के निधन पर भाजपा प्रवक्ता ने व्यक्त की गहरी संवेदना

बिहारशरीफ (नवशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी के जिला प्रवक्ता धीरेन्द्र रंजन ने धार्मिक न्यास बोर्ड के अध्यक्ष और पूर्व आईपीएस अधिकारी आचार्य किशोर कुणाल के आकस्मिक निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आचार्य किशोर कुणाल न केवल एक व्यक्तित्व थे, बल्कि अपने आप में एक संस्था थे। बिहार के सामाजिक, धार्मिक और प्रशासनिक क्षेत्र में उनके योगदान को युगों-युगों तक याद किया जाएगा।

धीरेन्द्र रंजन ने कहा, ₹आचार्य किशोर कुणाल ने अपने जीवनकाल में समाज के लिए अतुलनीय कार्य किए। महावीर मंदिर, पटना, महावीर कैंसर अस्पताल, महावीर वात्सल्य अस्पताल और अयोध्या मंदिर ट्रस्ट के संस्थापक सदस्य के रूप में उनका योगदान अमूल्य है। बिहार के लिए वह इस सदी के महामानव थे, जिन्होंने मानव सेवा और समाज सुधार के लिए अपने जीवन को समर्पित किया।₹

उन्होंने कहा कि आचार्य किशोर कुणाल के निधन से प्रशासनिक, सामाजिक और धार्मिक क्षेत्रों में एक अपूर्णीय क्षति हुई है। उनका जाना एक ऐसी शून्यता छोड़ गया है, जिसे भरना असंभव है।

धीरेन्द्र रंजन ने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को चिर शांति प्रदान करें और उनके परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति दें। उन्होंने कहा कि आचार्य किशोर कुणाल की विरासत सदैव प्रेरणा का स्रोत बनी रहेगी।

विज्ञान प्रदर्शनी मेला का भव्य आयोजन, प्रतिभाशाली छात्रों को किया गया सम्मानित

इस्लामपुर (नालंदा) (नवशक्ति)। इस्लामपुर नगर स्थित गांधी मेमोरियल खानकाह हाई स्कूल +2 विद्यालय में सोमवार को विज्ञान प्रदर्शनी मेला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन हिलसा अनुमंडल के इस्लामपुर डीएसपी गोपाल कृष्णा और जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (डीपीओ) शहनवाज ने संयुक्त रूप से किया।

छात्रों में मानसिक विकास और प्रतिभा को निखारने का मंच

उद्घाटन के दौरान डीएसपी गोपाल कृष्णा ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्रों के मानसिक विकास में सहायक होते हैं। वहीं, डीपीओ शहनवाज ने विज्ञान प्रदर्शनी के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि इससे छात्रों की छिपी हुई प्रतिभा उजागर होती है और

अनुसंधान के प्रति उनकी रुचि बढ़ती है।

विद्यालय प्रबंध समिति के उपाध्यक्ष एजाज अहमद ने विज्ञान प्रदर्शनी की सराहना करते हुए सुझाव दिया कि साहित्य, संस्कृत और अन्य विषयों में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित होने चाहिए।विज्ञान प्रदर्शनी में छात्रों की अनोखी प्रस्तुतियां प्रदर्शनी में छात्रों ने अपनी रचनात्मकता और वैज्ञानिक सोच का परिचय देते हुए एक से बढ़कर एक मॉडल प्रस्तुत किए। इसमें खुशी ग्रुप ने फैक्ट्री प्रोजेक्ट में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जमा ग्रुप ने टॉय ट्रेन में दूसरा स्थान और फौजिया ग्रुप ने ह्यूमन बॉडी मॉडल के लिए तीसरा स्थान हासिल किया। विजेता छात्रों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। अतिथियों ने किया संबोधित इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी मुकेश कुमार, राजस्व पदाधिकारी अंतरिक्ष दीप, विद्यालय प्रबंध समिति के सचिव सैफुद्दीन अब्दाली और प्रधानाध्यापक संजय कुमार राय ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने छात्रों और शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की और इसे निरंतर जारी रखने की अपील की।

शिक्षकों और अतिथियों की उपस्थिति कार्यक्रम में शिक्षक पार्थ सारथी, नितिश कुमार, मोईन उद्दीन चिश्ती, भरत भूषण प्रसाद, एकराम सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और अतिथि मौजूद रहे। विज्ञान प्रदर्शनी मेला ने छात्रों को अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता दिखाने का एक उत्कृष्ट मंच प्रदान किया। इस आयोजन ने विद्यालय में नई ऊर्जा का संचार किया और शिक्षा के साथ अनुसंधान को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया।

विशिष्ट शिक्षकों को राज्यकर्मी बनने का योगदान पत्र वितरण

बिहारशरीफ(नवशक्ति)। प्रखंड संसाधन केंद्र (बीआरसी) साठोपुर में सक्षमता परीक्षा पास शिक्षकों को राज्यकर्मी के रूप में नियुक्ति पत्र और योगदान पत्र का वितरण किया गया। यह कार्यक्रम प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी अब्दुल मन्नान , लेखा सहायक रंजन कुमार, बीआरपी साहिल कुमार, गौतम कुमार और विमल मुकेश कुमार की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

विशिष्ट शिक्षकों को निर्देश दिया गया है कि वे 1 जनवरी 2025 से राज्यकर्मी के रूप में कार्य प्रारंभ करेंगे और 7 जनवरी 2025 तक अपने मूल विद्यालय में योगदान देना सुनिश्चित करें। वर्ग एक से पांच तक कुल 246 पत्र का वितरण किया गया।

कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों को उनकी जिम्मेदारियों और कार्यप्रणाली के बारे में भी जानकारी दी गई।

आचार्य किशोर कुणाल के निधन पर इस्लामपुर में शोक सभा आयोजित

इस्लामपुर (नालंदा) (नवशक्ति)। स्थानीय नगर के श्री अयोध्या ठाकुरबाड़ी में सोमवार को बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड के पूर्व प्रशासक और भारतीय पुलिस सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी आचार्य किशोर कुणाल के आकस्मिक निधन पर शोक सभा आयोजित की गई। शोक सभा का संचालन अधिवक्ता अनिल कुमार ने किया।

आचार्य किशोर कुणालः एक महान विचारक और सुधारक शोकसभा को संबोधित करते हुए रवि सिंह ने कहा कि आचार्य किशोर कुणाल एक महान विचारक और सुधारक संत थे। उन्होंने समाज से जात-पात का भेदभाव मिटाने का प्रयास किया और अपने विचारों से लोगों को प्रेरित किया। उनका योगदान अयोध्या, काशी, वृंदावन और

अन्य धार्मिक स्थलों के साथ-साथ मानवीय और धार्मिक मानकों के क्षेत्र में अद्वितीय था।

गरीबों के लिए अपूरणीय क्षति सिद्धपीठ श्री दुर्गा पूजा बड़ी देवी प्रबंध समिति के अध्यक्ष डॉ. उमेश प्रसाद ने कहा कि आचार्य किशोर कुणाल का निधन देश और प्रदेश के गरीबों के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने नौ चैरिटेबल अस्पतालों का निर्माण कर गरीबों की सेवा की, जो उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

युवाओं के प्रेरणास्त्रोत वार्ड पार्षद गुड्डू सिंह ने कहा कि आचार्य किशोर कुणाल युवा वर्ग के लिए प्रेरणा स्त्रोत थे। उनके असामयिक निधन से समाज को गहरी क्षति हुई है, जिसकी भरपाई संभव नहीं है।

बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति शोकसभा में पुजारी पुरुषोत्तम जी, वार्ड पार्षद सुनील कुमार, राजेश खन्ना, वीरेंद्र कुमार, बृजमोहन केशरी, उजाला सोनी, कृष्ण कुमार, नंदकिशोर पांडेय, अशोक सिंह, धन्नु राम सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

आचार्य किशोर कुणाल के योगदान को याद करते हुए सभी ने उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। उनका जीवन और कार्य समाज के लिए प्रेरणादायक रहेगा।

अज्ञात चोरों ने महेशमारा गांव के 4 घरों में दिया चोरी की घटना को दिया अंजाम

कटोरिया/बांका(विजय आनंद)। सुईया थाना क्षेत्र के महेशमारा गांव में रविवार रात अज्ञात चोरों ने 4 घरों में चोरी की घटना को अंजाम देकर पुलिस को खुली चुनौती दे दी। चोरों ने गांव के मणिकांत सिंह के घर में लोहे की ग्रिल का ताला तोड़कर 38 हजार रुपए नगद एवं कीमती समान की चोरी कर ली। वहीं सुबोधचंद्र सिंह के घर में पीछे के कमरे से घुसे और घर में रखे गोदरेज का ताला तोड़कर पैसे एवं जेवरात की चोरी की। साथ ही बगल कमरे में रखे दो बक्से को साथ ले गए। चोरों ने घर से थोड़ी दूरी पर बक्से को तोड़कर उससे पैसे व अन्य कीमती चीजें निकाल ली तथा कपड़ा सहित बक्से के अन्य सामान को मौके पर ही फेंक दिया। वहीं उमेश चंद्र सिंह के घर के कमरे के अंदर घुसकर बक्से में रखे 3500 रुपया नगद एवं कपड़े की चोरी की। जबकि विपुल सिंह के घर में घुसकर 2800 रुपए की चोरी की। बताया

गया कि विपुल सिंह की नींद खुलने पर उन्होंने हो हल्ला किया। इस दौरान चोर ने गृहस्वामी पर ईंट से हमला भी किया। हालांकि पकड़े जाने की डर से सभी चोर मौके से भाग गए। इधर ग्रामीणों द्वारा घटना की जानकारी सुईया पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही एसडीपीओ बेलहर राजकिशोर कुमार, थानाध्यक्ष विशाल कुमार सदलबल मौके पर पहुंचे तथा मामले की छानबीन की। साथ ही घटना की छानबीन के लिए पुलिस द्वारा भागलपुर से डॉग स्क्वॉड की टीम को बुलाया गया। डॉग स्क्वॉड टीम को कुत्ता अपने साथ पंजरपट्टा जंगल तक ले गया। पुलिस ने आसपास के टोले में भी छानबीन की। हालांकि घटना में अब तक पुलिस को कोई सफलता नहीं मिल सकी है। इस संबंध में एसडीपीओ बेलहर राजकिशोर कुमार ने बताया कि पुलिस की छानबीन जारी है। जल्द मामले का उद्भेदन कर लिया जाएगा। फिलहाल पुलिस मामले की तहकीकात कर रही है।

मयूर पब्लिक स्कूल में दो दिवसीय बाल मेला महोत्सव संपन्न

जहानाबाद। जिले के काको प्रखंड स्थित मयूर पब्लिक स्कूल में दो दिवसीय बाल मेला महोत्सव संपन्न हो गया। यह बाल मेला प्रतिवर्ष दिसबंर के महीने में विद्यालय द्वारा आयोजित की जाती है। इस महोत्सव में बच्चों द्वारा विज्ञान और कला प्रदर्शनी तथा विभिन्न प्रकार के लजीज व्यजनों के स्टॉल लगाये गए थे। इस महोत्सव का उद्घाटन उदय कुमार जेल सुपरिटेंडेट, मंडल कारा काको के द्वारा किया गया। मुख्या अतिथियों ने बच्चों द्वारा लगाए गये विज्ञान और कला प्रदर्शिनियों का अवलोकन किया तथा बच्चों द्वारा बनाए गए व्यंजनों का लुप्फ भी उठाया। मानवीय गतिविधियों से पर्यायवरण पर जो प्रतिकूल प्रभाव या जो नुकसान हो रहे हैं उससे कैसे बचा जा सकता है। इसी थीम पर बच्चों के द्वारा मॉडलो का निर्माण किया गया था। जल सरंक्षण कैसे करें, गंदे जल को कैसे पुनः फिल्टर कर उपयोग में कैसे लाया जा सकता है ये बच्चों द्वारा बताया गया। ऊर्जा के नवीकरण स्त्रोत जैसे सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, हाइड्रो इलेक्ट्रिक का उपयोग कर कैसे प्रदूषण से बचा जा सकता है और ऊर्जा की कमी को पूरा किया जा सकता है इससे संबंधित मॉडल भी दिखए गये। इस अवसर पर स्कूल के छात्र-छात्राओं के द्वारा मनमोहन, नृत्य, गीत एवं नाटकों का भी मंचन भी किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत नवमीं एवं दसवीं वर्ग की छात्राओं के द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना एवं स्वागत गान से किया गया। दहेज प्रथा उन्मुलन के लिए भी वच्चों द्वारा नाटक के माध्यम से समाज को जागरूक किया गया। भगवान

भोले नाथ एवं माता पार्वती ने भी दो बीघा जमीन गाने पर लोगों का मन मोह लिया। चाँद वाला मुखडा लेके, देवाश्री गणेशा, बोल चुड़िया, आज नाचले आदि नृत्यों पर बच्चों ने मनोरंजक प्रस्तुति दी। छात्रों के द्वारा लिट्टी चोखा, बर्गर, पानी पुरी, कटलेट, ब्रेद पकौड़ा, मंचुरियन, मोमो फ्रूट स्टॉल, गुलाब जामुन आदि लजीज व्यंजनों के स्टॉल भी लगाए गए। विद्यालय के निदेशक शशिकांत कुमार ने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इस तरह के अयोजन से बच्चों में चदुमुखी प्रतिभा का विकास होता है। विज्ञान एवं कला में अभिरूचि एवं देशी व्यंजनों को विदेशों में कैसे प्रमोट करें ये सारी बाते बताई। मुख्य अतिथियों में स्थानीय जिला पार्षद आदित्य कुमार, काको नगर पंचायत चेयरमैन राहुल रंजन, पैक्सअध्यक्ष श्री भगवान, पूर्व प्रमुख जितेश कुमार, मगध डायरी के कृष्णमुरारी जी, महर्षि विद्या पीठ के निदेशक साकेत रौशन, मुकेश कुमार, सुरेन्द्र मोहन, पिंटू शर्मा आदि मैजूद रहे। कार्यक्रम के सफल संचालन में उपप्रार्चाय लाला हरेन्द्र कुमार, मुन्ना प्रसाद, अशोक कुमार सुदामा प्रसाद, अमित कुमार, वेदप्रकाश, सोनी कुमारी, संगीता कुमारी, रितु कुमारी, दिलरूबा, फिजा फातमी, लक्ष्मी कुमारी, पंकज कुमार आदि शिक्षक शिक्षिकाओं ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

बाढ़ से सुरक्षा और सिंचाई की योजनाओं में लेटलतीफी बर्दास्त नहीं होगी: विजय कुमार चौधरी

●जल संसाधन मंत्री ने की बिहार में बाढ़ से सुरक्षा और सिंचाई की योजनाओं की विस्तृत समीक्षा, दिये कई महत्वपूर्ण निर्देश

●जल संसाधन मंत्री ने दिये निर्देश, विभागीय योजनाओं की भौतिक प्रगति के साथ-साथ उनके लिए आवंटन और व्यय की स्थिति की भी नियमित समीक्षा करें अधिकारी

●जिन योजनाओं की भौतिक प्रगति कार्ययोजना के अनुरूप संतोषजनक नहीं है, उनके संवेदक के साथ-साथ जिम्मेदार अधिकारी को भी सो काउज जारी करें

पटना। जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी ने को सिंचाई भवन में आयोजित बैठक में बिहार में बाढ़ से सुरक्षा तथा सिंचाई सुविधा के विस्तार के लिए जल संसाधन विभाग द्वारा कार्यान्वित 05 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली सभी योजनाओं की भौतिक प्रगति के साथ-साथ उनके लिए आवंटन और व्यय की स्थिति की प्रक्षेत्रवार विस्तृत समीक्षा की और उन्हें ससमय पूरा कराने के लिए कई जरूरी निर्देश दिये। समीक्षा बैठक में प्रधान सचिव संतोष कुमार मल्ल, अपर सचिव नवीन, बाढ़ नियंत्रण के अभियंता प्रमुख मनोज रमण, सिंचाई सृजन के अभियंता प्रमुख नंद कुमार झा, योजना एवं मॉनीटरिंग के मुख्य अभियंता संजय कुमार ओझा सहित कई वरीय अधिकारी मौजूद थे और सभी प्रक्षेत्र के मुख्य अभियंता वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े थे। जल संसाधन मंत्री ने कहा कि बाढ़ से सुरक्षा, सिंचाई सुविधा के विस्तार तथा नहरों के अंतिम छोर तक सिंचाई का पानी पहुंचाने के लिए विभाग के अधिकारी तत्परता से कार्य करें। विभागीय योजनाओं में किसी भी तरह की लेटलतीफी बर्दास्त नहीं की जाएगी। किसी भी योजना के संवेदक को वर्क ऑर्डर जारी करने से पहले योजना से संबंधित सभी तरह के ड्राइंग और डिजाइन फाइनल कर लें, ताकि वर्क ऑर्डर जारी होने के बाद कार्य शुरू करने

में किसी तरह का विलंब न हो। माननीय मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी ने निर्देश दिया कि विभाग के संबंधित अधिकारी सभी योजनाओं की तिमाही कार्ययोजना मुख्यालय भिजवाएं और उसके अनुरूप कार्य की भौतिक प्रगति सुनिश्चित कराएं। साथ ही योजनाओं के लिए बजट आवंटन के समानुपातिक व्यय की भी नियमित समीक्षा करें। जिन योजनाओं के ससमय कार्यान्वयन में कहीं किसी तरह की बाधा आ रही है, तो उसे चिह्नित करते हुए प्राथमिकता के आधार पर दूर कराएं। योजनाओं की प्रगति कार्ययोजना के अनुरूप संतोषजनक नहीं होने पर संवेदक के साथ-साथ निगरानी के लिए जिम्मेदार अधिकारी के खिलाफ भी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुरूप सो काउज जारी करें। श्री विजय कुमार चौधरी ने कहा कि जिन योजनाओं के संवेदक निर्धारित कार्ययोजना के अनुरूप कार्यों को ससमय पूरा कराने के लिए पर्याप्त संख्या में कार्यबल, मशीनों और मेटेरियल का उपयोग नहीं कर पा रहे हैं, उनके खिलाफ भी विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित करें। यदि किसी योजना में विभाग के अधिकारी की हिदायत के बाद भी संवेदक द्वारा कार्य में तेजी नहीं लाई जाती है, तो ऐसे संवेदक को डिबार करने के लिए विभाग की मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुरूप ससमय कार्रवाई सुनिश्चित करें। जल संसाधन मंत्री ने पिछली समीक्षा बैठक में दिये गये निर्देशों के अनुपालन की स्थिति की भी समीक्षा की। साथ ही कहा कि समीक्षा बैठक में दिये जा रहे निर्देशों का अनुपालन क्षेत्रीय स्तर पर हो रहा है या नहीं, वरीय अधिकारी द्वारा इसका गहन अनुश्रवण सुनिश्चित किया जाये।

साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने के उद्देश्य से भाजपा विधायक शैलेंद्र ने भड़काऊ बयान दिया, सरकार मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई करें: अरुण यादव

बिहपुर। राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश प्रवक्ता अरुण कुमार यादव ने कहा कि हमारे देश में भड़काऊ भाषण, भड़काऊ बयान देना तथा दो धर्म समुदाय के बीच द्वेष, सौहार्द बिगाड़ने वाला भड़काऊ भाषण देना कानूनन अपराध है। भड़काऊ बयान देने वाले व्यक्ति पर इंडियन पीनल कोड की धारा 153अ और 153अअ के तहत केस दर्ज करने के लिए सरकार स्वतंत्र है। राजद प्रवक्ता ने कहा कि साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने और भड़काऊ भाषण देने वाले व्यक्ति के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करने का सुप्रीम कोर्ट का भी राज्य सरकार को स्पष्ट निर्देश है इसलिए कोर्ट के निर्देश को देखते हुए भाजपा विधायक कुमार शैलेंद्र पर राज्य सरकार अविलंब मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्यवाही करें। राजद प्रवक्ता ने कहा कि बिहपुर के भाजपा विधायक कुमार शैलेंद्र के द्वारा 29 दिसंबर को खरीक प्रखंड अंतर्गत मंडल टोला ध्रुवगंज में खुलेआम भड़काऊ बयान देकर सामाजिक और साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने प्रयास किया, जोकि संवैधानिक और कानूनी रूप से अपराध है।

प्रकाश पर्व निकली प्रभात फेरी में शबद कीर्तन से संगत निहाल

पटना सिटी। तख्त श्री हरिमंदिर जी पटना साहिब में श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज के 358 वां प्रकाश उत्सव समारोह पर निकल रही प्रभात फेरी सोमवार को निकाली गयी. तख्त साहिब से निकल कर अशोक राजपथ के रास्ते प्रभात फेरी गुरुद्वारा सिंह सभा गोविंद नगर चितकोहरा दर्शन कर वापस लौटी. मंगलवार को निकलने वाली प्रभात फेरी अशोक राजपथ के मुख्य मार्ग होते हुए गुरुवार को निकलने वाली प्रभात फेरी अशोक राजपथ के मुख्य मार्ग होते हुए चमडोरिया, हाजीगंज, अरोड़ा हाउस,छोटी पटनदेवी गली, काली स्थान, बाड़े की गली होते हुए वापस लौटेगी.पंज प्यारे के नेतृत्व में निकली प्रभात फेरी तख्त श्री हरमंदिर साहिब से जत्थेदार बलदेव सिंह अरदास के उपरांत आरंभ हुई प्रभात फेरी में संयोजक सरदार तेजिन्दर सिंह बग्गा,सरदार प्रेम सिंह, सरदार रणजीत सिंह व इन्द्रजीत सिंह बग्गा के साथ शामिल सिख श्रद्धालु शबद कीर्तन करते हुए चल रहे थे. प्रभात फेरी का समापन चार जनवरी को बड़ी प्रभात फेरी से होगी. इसके बाद पांच जनवरी को गायघाट स्थित बड़ी संगत गुरुद्वारा से नगर कीर्तन निकाला जायेगा. छह जनवरी को बर को प्रकाशोत्सव का मुख्य समारोह मनाया जायेगा. इसके लिए प्रबंधक कमेटी की ओर से तैयारी की जा रही है.

जैन धमार्नुरागियों ने पदविहार कर पहुंचे संत का किया स्वागत

पटना सिटी। पश्चिम बंगाल से पदविहार करते हुए परम पूज्य गणाचार्य श्री 108 विराग सागर जी महामुनिराज के परम शिष्य जैन संत दिगम्बर मुनिराज श्रमणोपाध्याय श्री 108 विभंजन सागर जी महाराज व श्रमण मुनि श्री विश्वद्रोय सागर जी महाराज सोमवार को पटना सिटी पहुंचे. जैन समाज धमार्नुरागियों ने जैन संत का स्वागत दीदारगंज चेकपोस्ट के पास किया. वहां से जैन संत हाजीगंज स्थित श्री दिगम्बर जैन गुरारा मंदिर मंदिर में मंगल प्रवेश किया. मंदिर में जिनेन्द्र प्रभु का अभिषेक, शांतिधारा, विश्व शांतिधारा पाठ का उच्चारण मुनि श्री विभंजन सागर जी महाराज ने किया. इसके बाद पार्श्वनाथ भगवान की दर्शन-पूजन के उपरांत मुनि संघ कचौडी गली जैन मंदिर, खाजेकलां स्थित श्री चंद्रप्रभु जैन मंदिर का दर्शन करते हुए गुलजारबाग स्थित सेठ सुदर्शन स्वामी की निर्वाण भूमि कमलदह दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र पहुंचे. यहां से फिर कांग्रेस मैदान स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर के लिए मंगल विहार हुआ. प्रवक्ता प्रवीण जैन ने बताया कि 24 घंटे में एक बार आहार-जल ग्रहण करते है.संत ने कहा कि जैन मंदिरों में हजारों वर्ष प्राचीन कई अतिशयकारी जिन प्रतिमाएँ विराजमान है. जिसके दर्शन से शांति की अनुभूति होती है.

अतिक्रमण हटाने का चला अभियान

पटना सिटी। पटना नगर निगम अजीमाबाद अंचल व सिटी अंचल की ओर से अतिक्रमण हटाने का अभियान विरोध व तनातनी के बीच चलाया गया. अजीमाबाद अंचल की ओर से मीना बाजार, सादिकपुर, पश्चिम दरवाजा होते हुए नयी सड़क तक अभियान चलाया गया. अभियान के दौरान पांच बैनर व पोस्टर,एक ठेला को जब्त करने के साथ आठ हजार 900 रुपये की राशि जुमार्ना के तौर पर वसूल की गयी. निगम सिटी अचंल की ओर से अशोक राजपथ पर चौक मोड से तख्त साहिब होते हुए हाजीगंज ,मारूफगंज के रास्ते मालसलामी रेलवे लाइन तक अस्थायी अतिक्र मण हटाया गया. अभियान के दौरान आठ हजार 800 रुपये की राशि का जुमार्ना वसूल किया गया. अधिकारियों ने बताया कि अतिक्रमण के खिलाफ चल रहे अभियान निरंतर चलेगा. अभियान की वजह से अफरा-तफरी की स्थिति मच गयी थी. सड़क जाम की समस्या नहीं हो. इसके लिए सड़कों को घेर दुकानदारी करने वालों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है.

प्रादेशिक माथुर समिति की कमेटी गठित

पटना सिटी। दीवान मुहल्ला नौजर घाट में बिहार प्रादेशिक माथुर समिति पटना सिटी की आमसभा अशोक कुमार माथुर की अध्यक्षता व मनोज कुमार माथुर के संचालन में हुई. सभा में अशोक कुमार माथुर अध्यक्ष,मेहताब लाल माथुर उपाध्यक्ष,प्रभात बहादुर माथुर सचिव सह कोषाध्यक्ष,जितेंद्र बहादुर माथुर संयुक्त सचिव और सदस्यों में मुकेश नारायण लाला माथुर,देवेंद्र बहादुर माथुर,अशोक बहादुर माथुर,मनोज कुमार माथुर,यश माथुर,विशेष आमंत्रित सदस्य ज्योतेंद्रनाथ माथुर,प्रमोद बहादुर माथुर व अजय कुमार माथुर मनोनीत किये गये.

छात्रों पर बर्बरता से लाठीचार्ज करने वाले सभी अफसरों पर कानूनी कार्रवाई के लिए कोर्ट जाएंगे: प्रशांत किशोर

पटना। जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर और छात्र संसद में चुने गए कोर कमेटी के सदस्यों ने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कल जेपी गोलंबर पर पुलिस द्वारा किए गए बर्बरतापूर्वक लाठीचार्ज की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि मेरे जाने के 45 मिनट बाद लाठीचार्ज किया गया। पुलिस ने जो किया वो पूरी तरह गलत है। छात्रों पर लाठीचार्ज करने वालों को अब बख्शा नहीं जाएगा। आंदोलन अब रुकने वाला नहीं है। अगर मेरे जाने के बाद हजार झ दो हजार छात्र रह गए थे, तो उन्होंने कोई गैरकानूनी काम नहीं किया, किसी सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान नहीं पहुंचाया। बस पटना के कुछ 2-4 अफसरों को हीरोइज्म की आदत हो गई है, इसलिए उनके खिलाफ आज ऋक्ष्क दर्ज होगी, उनकी अनुचित कार्रवाई के खिलाफ कोर्ट और मानवाधिकार आयोग का दरवाजा भी खटखटाया जाएगा। जिस बर्बरतापूर्वक तरीके से छात्रों को पीटा गया, उसका पूरा हिसाब होगा। पुलिस के अनुसार नारेबाजी करना कानून का उल्लंघन है तो फिर पुलिस ने बच्चों को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा, क्या ये कानून का उल्लंघन नहीं है? तेजस्वी यादव का बंगला पटना में है, वह विपक्ष के नेता है, लाठीचार्ज के बाद वह छात्र से मिलने अस्पताल या गर्दनीबाग क्यों नहीं गए,इस प्रशांत किशोर ने तेजस्वी यादव को भी दी नसीहत कहा ये राजनीति का वक्त नहीं प्रशांत किशोर ने तेजस्वी यादव के उठाए गए सवाल पर भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव विधानसभा में विपक्ष के नेता हैं। कल लाठीचार्ज के बाद या लाठीचार्ज के दौरान या पूरे दिन छात्र संसद में या बच्चों से मिलने अस्पताल या गर्दनीबाग किसी जगह क्यों नहीं गए। कल अगर कोई

बच्चों को बचाने के लिए खड़ा हुआ तो वो प्रशांत किशोर ही थे। बच्चे जरूर कह रहे हैं कि अगर आप 1 घंटा और रुक जाते तो हमें कोई नहीं मारता। उन्हें ये भरोसा सिर्फ प्रशांत किशोर पर है, किसी और पर नहीं। पीके का बड़ा ऐलान 2 जनवरी से वह खुद अनिश्चितकालीन तक धरने पर बैठेंगे, प्रशांत किशोर छात्रों के साथ खड़े थें, खड़े हैं और रहेंगे प्रशांत किशोर ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर सरकार नहीं मानेगी तो ये बच्चे, पूरे बिहार के युवा जो लोग भी इन बच्चों के साथ संवेदना रखते हैं, और जो भी लोग इस लाठीतंत्र के खिलाफ है। वो सभी लोग एक दिन भी चैन से बैठने वाले नहीं है। 2 जनवरी से अगर ये मामला नहीं निपटा तो मैं खुद प्रशांत किशोर, अनिश्चितकालीन तक यहां धरने पर खुद बैठूंगा। इन 5 मांगो के समर्थन में कहीं एक कदम भी पीछे हटने का सवाल नहीं है। छात्रों का आंदोलन है हर दल और विचारधारा के लोग उसमें आते है, आज अगर ये बच्चे हमारे पक्ष में या विपक्ष में बोल रहे है मेरी इनसे कोई शिकायत नहीं है। हम राजनीति करने नहीं आए है, पिछले ढाई वर्षों में मैंने किसी भी आंदोलन और धरने प्रदर्शन में हिस्सा नहीं लिया है, यह पहला ऐसा मौका है जहां मैं सब कुछ छोड़ कर इन सभी बच्चों के साथ खड़ा हूं, क्योंकि मैं इनका दर्द समझ रहा हूँ।

नवनियुक्त राज्यपाल ने तख्त हरिमंदिर में दर्शन किया

पटना सिटी (बृजेश गोस्वामी)। बिहार के नवनियुक्त राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने सोमवार की शाम तख्त श्री हरिमंदिर जी पटना साहिब में गुरु जी के दर्शन किये। दरबार साहिब में मत्था टेकने पहुंचे राज्यपाल को ग्रंथी की ओर से गुरुघर का आशीष सिरोपा दिया गया. इस दौरान प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष जगजोत सिंह सोही,कनीय उपाध्यक्ष गुरविंदर सिंह ने राज्यपाल को प्रतीक चिह्न दिया। वहीं तख्त साहिब के इतिहास व गुरु महाराज के जीवन दर्शन की जानकारी दी.पदधारकों ने महामहिम को जनवरी में आयोजित हो रहे श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज के प्रकाश पर्व के विषय में भी बताया. साथ ही गुरुपर्व में शामिल होने का आग्रह किया।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी ने किया पार्टी का विस्तार

पटना। राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस के निर्देश पर सोमवार को बिहार प्रदेश राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के प्रदेश कमिटी का प्रदेश अध्यक्ष प्रिंस राज पासवान एवं प्रधान महासचिव केशव सिंह द्वारा विस्तार किया गया। विस्तारित प्रदेश कमेटी में मोहम्मद महताब आलम राघवेंद्र भारती रामाशीष सिंह संजय यादव मंजीत वर्मा को उपाध्यक्ष की जिम्मेवारी दी गई है एवं कुंदन सिंह, सुधीर कुमार सिंह, मीना कुमारी, कंचन देवी, जयप्रकाश गुप्ता, विजय कुमार पटवा को महासचिव एवं पंकज पासवान देवेंद्र कुशवाहा, सूरज पासवान, रामकुमार पासवान को सचिव की जिम्मेवारी दी गई है। चंदन कुमार को प्रदेश कमिटी में मीडिया प्रभारी का दायित्व सौंपा गया है। राष्ट्रीय प्रवक्ता श्रवण कुमार अग्रवाल ने पार्टी के प्रदेश कमिटी के विस्तार किए जाने पर कहा कि दल के सभी समर्पित नेताओं को आगामी साल में होने वाले विधानसभा चुनाव को देखते हुए अहम जिम्मेवारी पार्टी नेतृत्व के द्वारा सौंपी गई है। राज्य में संगठन विस्तार से इन सभी नेताओं के मनोनयन से मजबूती मिलेगी।

पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय डॉ मनमोहन सिंह जी को भारत रत्न देने की मांग फेडरेशन ने किया

पटना। बिहार सिख फेडरेशन संस्थापक त्रिलोक सिंह निषाद ने बयान जारी करते हुए कहा कि डॉक्टर साहब एक ऐसे शख्सियत थे जिनको हर पार्टी , हर धर्म और जाति के लोग इनका सम्मान करते थे यह बहुत बड़े विद्वान और अर्थशास्त्री भी थे जिन्होंने एक समय देश की खराब आर्थिक दशा को सुधारने में बहुत बड़ा योगदान रहा डॉक्टर साहब प्रोफेसर, आरबीआई के गवर्नर, मुख्य आर्थिक सलाहकार, योजना आयोग के उपाध्यक्ष और वित्त मंत्री जैसे विभिन्न पदों पर रहने के बाद डॉक्टर मनमोहन सिंह जी 10 वर्षों तक प्रधानमंत्री के पद पर रहकर पूरे निष्ठा और ईमानदारी के साथ देश और जनता की सेवा

बिहार सिख फेडरेशन के संस्थापक त्रिलोक सिंह निषाद प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सिंह पटेल महासचिव सूरत सिंह कोषाध्यक्ष सरदार रणजीत सिंह सरदार हरदेव सिंह बाजवा सरदार दीपक सिंह सरदार दलजीत सिंह मदन सिंह विजय सिंह जगजीत सिंह परमजीत सिंह ने भारत सरकार से पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय डॉ मनमोहन सिंह जी को देश के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न देने की मांग की।

बिहार सॉफ्टबॉल टीम के गठन के लिए सेलेक्शन ट्रायल दो-तीन जनवरी को

पटना। महाराष्ट्र के नागपुर में आगामी 22 से 26 फरवरी 2025 तक आयोजित होने वाली 46वीं सीनियर नेशनल महिला व पुरुष सॉफ्टबॉल चैंपियनशिप में भाग लेने वाली बिहार टीम के गठन के लिए सेलेक्शन ट्रायल आगामी दो और तीन जनवरी को पटना सिटी के मनोज कमालिया स्टेडियम के मैदान पर सुबह 9.30 से शुरू किया जायेगा यह जानकारी सॉफ्टबॉल एसोसिएशन ऑफ बिहार के अध्यक्ष गौतम कनोडिया ने दी।

संघ के संयुक्त सचिव रूपक कुमार ने बताया कि इस सेलेक्शन ट्रायल के बाद प्रशिक्षण शिविर का आयोजन होगा। प्रशिक्षण शिविर के बाद फाइनल टीम की घोषणा की जायेगी सेलेक्शन ट्रायल सॉफ्टबॉल संघ के चयनकर्ता रणधीर यादव,सौरव राज,आदित्य कुमार की देख रेख में जबकि कैंप पूर्व राष्ट्रीय खिलाड़ी रणधीर कुमार और राजेश कुमार की देखरेख में चलेगी उन्होंने बताया कि खिलाड़ियों को अपने साथ आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, दो फोटो और अपने जिला के लेटर हेड पर अनुमोदित पत्र को लेकर आना होगा चयन के संयोजक अनीश कुमार होंगे।

ऐश्वर्या के सिर सजा मिस बिहार 2024 का ताज, अनुष्का फर्स्ट रनरअप और तान्या बनीं सेकेंड रनरअप

पटना। बिहार के एकमात्र ब्यूटी पीजेंट मिस बिहार 2024 का भव्य आयोजन आज पटना में संपन्न हुआ, जहां ऐश्वर्या के सर मिस बिहार 2024 का ताज सजा। वहीं, फर्स्ट रनरअप का खिताब अनुष्का ने जीता, जबकि तान्या सेकेंड रनरअप रहीं। विजेताओं को ट्रॉफी, प्रमाण पत्र, और विशेष उपहार दिए गए। ऐश्वर्या को बिहार का प्रतिनिधित्व राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर करने का अवसर मिलेगा। पटना में दिनांक 29 दिसंबर 2024 को मिस बिहार 2024 के ग्रैंड फिनाले का भव्य आयोजन होटल पाटलिपुत्र एग्जॉटिका में हुआ। इस कार्यक्रम की शुरुआत संध्या 6 बजे हुई, जिसे रूफ फाउंडेशन और ओसियन विजन द्वारा आयोजित किया गया। इस प्रतियोगिता ने

बिहार की प्रतिभाशाली युवतियों को अपनी कला और आत्मविश्वास प्रदर्शित करने का एक मंच प्रदान किया। प्रतियोगिता के चीफ गेस्ट और निर्णायक मंडल में मिस इंडिया और बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रेया शंकर, मिस्टर इंडिया और बॉलीवुड एक्टर राहुल राजशेखरन, मिसेज इंडिया जुली, और प्रसिद्ध बॉलीवुड शो डायरेक्टर कौशिक घोष शामिल थे। इन प्रतिष्ठित हस्तियों की उपस्थिति ने प्रतियोगिता को और भी खास बना दिया। प्रतियोगिता में बिहार के विभिन्न जिलों से चयनित 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

वे रैंप वॉक, इंट्रोडक्शन राउंड, टैलेंट राउंड और सवाल-जवाब के कठिन चरणों से गुजरे। हर प्रतिभागी ने अपने आत्मविश्वास और प्रतिभा से निर्णायकों और दर्शकों का दिल जीतने का प्रयास किया।

वहीं, कार्यक्रम के दौरान बॉलीवुड सिंगर दीपक उपाध्याय और विशु बाबा के गानों ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। और बूगी बूगी डांस ग्रुप के प्रदर्शन ने सभी का मन मोह लिया। आयोजन समिति के प्रवीण सिन्हा ने इस कार्यक्रम को बिहार की प्रतिभाओं के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बताते हुए कहा कि यह न केवल एक प्रतियोगिता थी, बल्कि यह बिहार की कला, संस्कृति, और युवाओं के हुनर का उत्सव भी था। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए दीपक सिन्हा, संजीव कुमार, आशीष घोष, अनिल राज, मनीष चंद्रेश, और आशीष रंजन अग्रवाल समेत पूरी टीम ने सहयोग दिया। इस भव्य आयोजन ने न केवल बिहार की युवा प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने का अवसर दिया, बल्कि इसे राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का भी प्रयास किया।

ठंड एवं शीतलहर से लोगों को सुरक्षित रखने के लिए स्वास्थ्य विभाग तैयार

पूर्णिया। जिले में ठंड की स्थिति में हो रही वृद्धि को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा ठंड ग्रसित मरीजों की पहचान करते हुए आवश्यक उपचार सुविधा उपलब्ध कराने के लिए स्वास्थ्य विभाग को शत प्रतिशत तैनात रहने के लिए सिविल सर्जन डॉ प्रमोद कुमार कनौजिया द्वारा सभी प्रखंड स्वास्थ्य अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश जारी किया गया है। इसके अंतर्गत सभी स्वास्थ्य अधिकारियों को अपने क्षेत्रान्तर्गत शीतलहर एवं ठंड से बचाव और इसके लक्षण से सभी लोगों को अवगत कराते हुए,इससे उत्पन्न होने वाली बीमारियों पर निगरानी रखने का निर्देश दिया गया है। सभी प्रखंड स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा स्वास्थ्य कर्मियों के माध्यम से ठंड एवं शीतलहर से सुरक्षा के लिए ध्यान रखने योग्य सुविधाओं की जानकारी जनसाधारण को अवगत कराने का निर्देश दिया गया है। इसके साथ साथ क्षेत्र में ठंड एवं शीतलहर से ग्रसित मरीजों को चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराते हुए संबंधित जानकारी जिला स्वास्थ्य समिति आईडीएसपी को सूचित करने का निर्देश दिया गया है। सिविल सर्जन डॉ प्रमोद कुमार कनौजिया ने कहा कि जिले में ठंड और शीतलहर की स्थिति को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा सभी प्रखंड स्वास्थ्य केंद्रों में लोगों को चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक सुविधा उपलब्ध रखने का सभी अधिकारियों को निर्देश दिया गया है। अधिकारियों द्वारा क्षेत्र में लोगों को ठंड एवं शीतलहर ग्रसित होने पर नजदीकी अस्पताल से चिकित्सकीय सहायता का लाभ उठाने के लिए जागरूक करना सुनिश्चित जाए। स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा क्षेत्र भ्रमण के दौरान

आमलोगों को लक्षण के अनुसार ठंड और शीतलहर ग्रसित होने की पहचान करते हुए चिकित्सकीय सहायता प्राप्त करने के लिए जागरूक करने का निर्देश दिया गया है। सिविल सर्जन डॉ प्रमोद कुमार कनौजिया ने बताया कि वर्तमान मौसम में शरीर का ठंड होना एवं इसके अंगों का सुन्न पड़ना ठंड ग्रसित होने के लक्षण हो सकते हैं। इसके अलावा अत्यधिक कंपकपी या ठिठुरन होना, बार बार उल्टी और शौचालय होना, अत्यधिक सुस्त व थकान का होना, अर्धबेहोशी की स्थिति अथवा बेहोश होना लोगों के ठंड ग्रसित होने के लक्षण हो सकते हैं। ऐसा लक्षण दिखाई देते ही संबंधित लोगों को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से चिकित्सकीय सहायता का लाभ उठाना चाहिए। लोगों को चिकित्सकीय सहायता प्रदान करने के लिए सभी अधिकारियों को स्वास्थ्य केंद्रों में आवश्यक दवा भंडारण सुनिश्चित रखने का निर्देश दिया गया है। ठंड से सुरक्षा के लिए आमलोगों को भी मौसम के अनुसार आवश्यक सुरक्षित व्यवस्था के साथ ही घर से बाहर अपने दैनिक कार्य के लिए निकलना चाहिए। इससे लोग ठंड ग्रसित होने से सुरक्षित रह सकते हैं।

एपिडेमियोलॉजिस्ट नीरज कुमार निराला ने बताया कि शीतलहर व ठंड से सुरक्षित रहने के लिए लोगों को जबतक जरूरत नहीं हो बाहर निकलने से परहेज करना चाहिए। ठंड में विशेष रूप से वृद्ध लोगों और बच्चों को बाहर निकलने से सुरक्षित रखना चाहिए। शरीर में ऊष्मा के प्रभाव को बनाये रखने के लिए पौष्टिक आहार एवं गर्म पेय पदार्थों का सेवन करना चाहिए। बंद घरों में जलते हुए लालटेन, दीया एवं कोयले की अंगीठी का प्रयोग करते समय धुएं के निकास का उचित प्रबंध करना सुनिश्चित करना चाहिए। इसका प्रयोग करने के बाद अच्छी तरह से आग का बुझना सुनिश्चित करना चाहिए। हीटर, ब्लोअर आदि का प्रयोग करने के बाद सोने से पूर्व स्विच ऑफ करना सुनिश्चित करना चाहिए ताकि यह जानलेवा साबित नहीं हो सके। घर से बाहर जाने पर शरीर में समुचित ऊनि एवं गर्म कपड़ों को पहन कर अपने सिर, चेहरा, हाथ एवं पैर को ठंड ग्रसित होने से सुरक्षित रखना चाहिए। उच्च रक्तचाप, मधुमेह तथा हृदय रोग से ग्रसित मरीजों को नियमित तौर से चिकित्सकीय सहायता नियमित रूप से लेना सुनिश्चित करना चाहिए। लोगों द्वारा विशेष परिस्थितियों में नजदीकी सरकारी अस्पताल से चिकित्सकीय परामर्श अथवा रोगी वाहन एम्बुलेंस की सहायता के लिए दूरभाष संख्या 102 पर संपर्क करना चाहिए।

जौनपुर और कल्याण में मनाई गई त्रिलोकीनाथ पांडे की पुण्यतिथि

जौनपुर। बदलापुर तहसील अंतर्गत स्थित महमदपुर गुलरा गांव निवासी तथा वरिष्ठ समाजसेवी रहे त्रिलोकी नाथ पांडे की पहली पुण्यतिथि पर उनके पैतृक गांव के साथ-साथ उनकी कर्मभूमि सूचक नाका, में भी कार्यक्रम का आयोजन कर श्रद्धांजलि दी गई। पैतृक गांव में उनके छोटे भाई अखिलेश नाथ पांडे द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सभी ग्रामवासी उपस्थित रहे। कल्याण में आयोजित कार्यक्रम में उनके बड़े भाई पुरुषोत्तम नाथ पांडे, दोनों पुत्र देवेंद्र पांडे, नित्यानंद पांडे, भतीजा धर्मेंद्र पांडे, एडवोकेट जितेंद्र पांडे, प्रदीप पांडे, हरीनाथ पांडे पंडित यादव, दिलीप पांडे ,आत्माराम पांडे, कृष्णदेव मिश्रा, ओमप्रकाश पांडे, नंदलाल तिवारी, मनपा शिक्षक महेंद्र मिश्रा, विकास पांडे समेत अनेक लोगों ने उपस्थित रहकर श्रद्धांजलि दी।

रेनू भास्कर पांच बच्चों की मां ने बीपीएससी में पाई बड़ी सफलता, ससुराल में रहकर बनीं प्रवक्ता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। यूपी के जौनपुर जिले के खुटहन अंतर्गत मलूकपुर गांव की रहने वाली रेनू भास्कर ने बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रवक्ता पद पर चयनित होकर अपने गांव और परिवार का नाम रोशन किया है। रेनू ने परीक्षा में 124वीं रैंक हासिल की है। बिहार लोक सेवा आयोग ने यह परीक्षा 22 जुलाई को आयोजित की थी। बताते चले कि रेनू ने अग्रणी प्रारंभिक स्नातक और परास्नातक की पढ़ाई के साथ चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय से बीएड की डिग्री हासिल की। खास बात यह है कि उन्होंने अपनी पढ़ाई ससुराल में रहते हुए पूरी की। इलाहाबाद में किराए के मकान में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हुए उन्होंने यह मुकाम हासिल किया। पति त्रिवेणी लाल मेहनत मजदूरी कर घर का खर्च चलाते हैं। रेनू भास्कर पांच बच्चों की मां हैं। बड़ी बेटी नित्या यूपीएससी की तैयारी कर रही है। पढ़ाई के साथ-साथ उन्होंने अपने बच्चों की शिक्षा का भी ध्यान रखा। उनके पति, त्रिवेणी लाल, मेहनत-मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। रेनू ने अपनी सफलता का श्रेय अपने ससुर अयोध्या प्रसाद, भाई कृष्ण कुमार, जेठानी और गुरुजनों को दिया है। इस उपलब्धि पर परिवार में हर्ष का माहौल है। वहीं मोहल्ले के अन्य लोगो सहित सभी हर्ष व्यक्त किया है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के लिए दलित और पिछड़ों पर दांव लगा सकती है पार्टी

-डॉ.आबिद खान

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। मंडल और जिलाध्यक्षों के चुनाव की प्रक्रिया के बीच नए प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव को लेकर भी मंथन शुरू हो गया है। हालांकि इस पद पर चुनाव महीने के अंत तक होने की संभावना है। सूत्रों का कहना है कि शीर्ष स्तर पर इस बार प्रदेश अध्यक्ष के लिए पिछडे और दलित के साथ ही ब्राम्हण चेहरे पर भी चर्चा हुई है।दलित चेहरों में पूर्व एमएलसी विद्यासागर सोनकर का नाम सबसे ऊपर है। इनके अलावा सांसद रामशंकर कठेरिया और विनोद सोनकर का नाम भी चर्चा में हैं। जबकि पिछड़े चेहरे के तौर पर अमरपाल मौर्या,बीएल वर्मा,बाबूराम निषाद और ब्राम्हण चेहरे के तौर पर राज्यसभा सदस्य दिनेश शर्मा और हरीश द्विवेदी के नाम सामने आ रहे हैं।

मानी कलाँ निजी स्कूलों ने नहीं माना शासन का आदेश, खुले स्कूल

मानीकलां, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खण्ड सोंधी शाहगंज अंतर्गत आने वाले कई गांवों में सरकारी आदेश निजी स्कूल संचालकों के ठेंगे पर है। शासन से स्कूलों में शीतकालीन अवकाश घोषित होने के बावजूद निजी स्कूल खोले जा रहे हैं। कड़ाके की ठंड में बच्चे सुबह कांपते हुए स्कूल पहुंच रहे हैं।शासन ने सभी बोर्डों से संचालित प्री-प्राइमरी से कक्षा आठ तक के स्कूलों में 31 दिसंबर से 14 जनवरी तक शीतकालीन अवकाश घोषित कर दिया है। इसके बावजूद मंगलवार को निजी स्कूल खुले रहे। सुबह साढ़े सात बजे से स्कूल जाते बच्चे सड़कों पर कांपते दिखे।

खेल छात्रों को जीवन की चुनौतियों के लिए तैयार करने का एक शक्तिशाली माध्यम है : सुमित प्रकाश

भागलपुर। प्रारंभिका वर्ल्ड स्कूल के निदेशक सुमित प्रकाश ने कहा कि खेल सिर्फ एक पाठ्योत्तर गतिविधि नहीं है, वे ज्ञान प्रदान करने, मूल्यों को स्थापित करने और छात्रों को जीवन की चुनौतियों के लिए तैयार करने का एक शक्तिशाली माध्यम है। हमारा मानना है कि खेल नेतृत्व, अनुशासन और अनुकूलन की क्षमता सिखाकर शिक्षा को बदल सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य एक ऐसा मंच प्रदान करना है जहां छात्र अकादमिक उत्कृष्टता हासिल करने के साथ - साथ खेल के प्रति अपने जुनून को आगे बढ़ा सकें। यह परिवर्तन भविष्य के ऐसे व्यक्तित्व तैयार करने की हमारी प्रतिबद्धता है जो न केवल विश्व स्तर पर सक्षम हैं बल्कि सहानुभूतिशील भी हैं। विदित हो कि 1980 से समग्र शिक्षा में अग्रणी प्रारंभिका स्कूल ने खेल, वैश्विक शिक्षा और नवीनीकरण पर केंद्रित एक साहसिक नई दृष्टि को अपनाते हुए प्रारंभिका वर्ल्ड स्कूल (पीडब्ल्यूएस) में परिवर्तित होने की घोषणा की। यह विकास सीखने, नेतृत्व और व्यक्तिगत विकास के प्रमुख प्रवर्तक के रूप में खेल का लाभ उठाते हुए छात्रों को एक परस्पर जुड़ी दुनिया के लिए तैयार करने की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। पेशेवर खेल प्रशिक्षण और दिल्ली कैपिटल्स (आईपीएल टीम) अकादमियों और सुब्रत पॉल जैसे प्रसिद्ध भागीदारों के साथ सहयोग के माध्यम से, पीडब्ल्यूएस प्रतिभाशाली छात्रों को अकादमिक और एथलेटिक दोनों में सशक्त बनाने के लिए तैयार है। यह रणनीतिक रीब्रांडिंग छात्रों को उनकी पूरी क्षमता हासिल करने के लिए सशक्त बनाने की प्रारंभिक वर्ल्ड स्कूल की अटूट प्रतिबद्धता को मजबूत करती है, चाहे वह कक्षा में हो, मैदान पर हो या जीवन में हो। खेल को शिक्षा, प्रौद्योगिकी और भावनात्मक विकास के साथ एकीकृत करके, पीडब्लूएस एक गतिशील वैश्विक परिदृश्य में तैयार नवप्रवर्तकों और नेताओं की एक नई पीढ़ी को आकार दे रहा है।

जौनपुर के अजीम अनवर खान बने ग्रेटर नोएडा के क्षेत्रीय कल्याण अधिकारी

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अधिकारियों की फैक्ट्री के नाम से मशहूर जौनपुर जिले के सबरहद गांव के निवासी और केंद्रीय अधिकारी डॉ.अजीम अनवर खान ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उन्हें ग्रेटर नोएडा के क्षेत्रीय कल्याण अधिकारी के पद पर नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति कार्मिक,लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी आदेश (32/04/2024) के तहत अवर सचिव (आरडब्ल्यू) सत्येंद्र सिंह द्वारा की गई है। डॉ. अजीम अनवर इससे पहले राज्यसभा सचिवालय के विभिन्न शाखाओं में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उनकी नई भूमिका में उन्हें आपातकालीन सेवाओं और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ शिक्षण संस्थानों में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने की जिम्मेदारी दी गई है। मीडिया से बातचीत में डॉ.अजीम अनवर का संकल्प डॉ. अजीम अनवर ने कहा कि वे अपनी नई जिम्मेदारियों को पूरी ईमानदारी और लगन के साथ निभाएंगे। उन्होंने कहा,ग्रेटर नोएडा में सभी विभागों के साथ सामंजस्य बनाकर शासन की मंशा के अनुसार नागरिकों के हितों की रक्षा करना मेरी प्राथमिकता होगी संघर्षमय जीवन से सफलता तक का सफर जौनपुर जिले के शाहगंज कस्बे के पास स्थित सबरहद गांव के निवासी डॉ. अजीम अनवर का जीवन संघर्षों से भरा रहा है। उनकी प्रारंभिक शिक्षा मदरसे में हुई। लेकिन उच्च शिक्षा के लिए उन्होंने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) का रुख किया। जेएनयू में पढ़ाई के दौरान उन्होंने सिविल सेवा की तैयारी शुरू की और पहली ही कोशिश में सफलता हासिल कर राज्यसभा सचिवालय में अधिकारी बने। डॉ.अजीम अनवर खान ने,न केवल अपने गांव सबरहद, बल्कि जौनपुर जिले को भी राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। उनकी यह उपलब्धि जौनपुर के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है।

देवकीनंदन महाराज के हाँथो चंद्रशेखर शुक्ल हुए सम्मानित

-आदेश मिश्र

नवीमुंबई। नवी मुंबई के खारघर मे सुप्रसिद्ध विख्यात कथा वाचक देवकी नंदन ठाकुर जी महाराज के द्वारा चल रही कथा मे लोकाधिकार सेवा समिति के राष्ट्रिय अध्यक्ष एवं लोकप्रिय समाजसेवी चंद्रशेखर आर शुक्ल महाराज के हांथो सम्मानित हुए। गौरतलब है चंद्रशेखर आर शुक्ल ने अभी तक 1151 सर्वजातीय निर्धन कन्याओं का विवाह अपने स्वनिधि से सकुशल संपन्न करा चुके है और हर साल जाड़े के महीने मे जगह जगह कैम्प लगाकर जरूरत मंद लोगों को मुफ्त कम्बल वितरण, विकलांगों हेतु ट्राई साइकिल, निः शुल्क मोतिया बिंद आँखों का ऑपरेशन कराकर चश्मा वितरण, कारागार मे कैदियों के लिए मानस प्रवचन, मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम जी के आदर्श चरित्र को रामलीला के माध्यम से जन जन तक पहुँचाना आदि कार्यक्रम साल भर आयोजित करते रहते है। वह समाज के जरूरत मंद लोगों की अन्य सहायता करना ऐसे तमाम चंद्रशेखर शुक्ल के द्वारा जनहित मे किए गए कार्यों को देखते हुए श्री देवकीनंदन ठाकुर जी महाराज ने अपने हाँथो से श्री शुक्ल को आशीर्वाद देते हुए श्री राधे कृष्ण नामी वस्त्र और फोटो फ्रेम स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर चंद्रशेखर आर शुक्ल ने देवकीनंदन महाराज जी से सम्मान,आशीर्वाद प्राप्त कर अपने आप को धन्य मानते हुए महाराज जी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित किए।

कथा विश्राम एवं विशाल भंडारे का हुआ आयोजन, पत्रकारों को किया गया सम्मानित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। महराजगंज क्षेत्र के बीआरसी के बगल आयोजक नन्दलाल मोदनवाल उर्फ नन्दा प्रधान द्वारा नव दिवसीय श्री राम कथा का समापन बड़े धूमधाम के साथ हुआ विश्राम दिवस की कथा में कथा व्यास स्वामी निर्मल शरण जी महाराज के मुखारविंद से लक्ष्मण चरित्र हनुमान चरित्र एवं रावण वध तथा भगवान श्री राम अयोध्या नगरी वापसी की कथा बड़े ही मार्मिक ढंग से सुनाई गई वहीं अंत में स्वामी निर्मल शरण महराज ने कथा श्रोताओं से नशा मुक्ति के लिए वचन मांगा और अंत में यह भी कहा कि यही हमारी गुरु दक्षिणा है नौ दिन की कथा में अपनी कोई एक बुराई छोड़ दें। वही यह भी कहा हम सभी को अपने मन को वश में करते हुए स्वास्थ्य एवं सुख दुख की कल्पना से परे होकर स्वयं को समाज के कल्याण और ईश्वर की आराधना में लगाना है। समापन पर राम जी का राजतिलक मंगल गीत आरती हुई कथा विश्राम पर सभी महिला पुरुषों की आंखें नम थी। साथ ही आयोजन परिवार द्वारा क्षेत्र के वरिष्ठ पत्रकार बंधुओ को भगवान श्री राम जी की दिव्य प्रतिमा एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं आयोजक परिवार नन्दलाल मोदनवाल एवं अशोक कुमार मोदनवाल वैज्ञानिक, खजांची लाल मोदनवाल, दीपक कुमार मिश्रा मोदनवाल न्याय विभाग, ,आदर्श कुमार मोदनवाल, सत्यम मोदनवाल का मंच से स्वामी जी ने बखान करते हुए खुब आशीर्वाद दिया। यह जानकारी लालशेखर सिंह ने दी है।

पाल विकास संघ का कलेंडर विमोचन हुआ सम्पन्न

महिलाओं का हुआ हल्दी कुंकुम कार्यक्रम

मुंबई (उत्तरशक्ति)। पाल विकास संघ मुंबई के दिनदर्शिका विमोचन कार्यक्रम 29 दिसंबर रविवार को राजश्री बैंकेट, दहिसर पूर्व में संपन्न हुआ। जहां पर पूर्व प्रधानाचार्य सूबेदार पाल के द्वारा विमोचन किया गया। इस मौके पर सम्माननीय अतिथि पाल राजेंद्र हाई स्कूल के चेयरमैन धर्मेन्द्र प्रताप पाल, भाजपा नेता सुरेश पाल, अलगू पाल, बंशराज पाल, फूलचंद पाल, लालचंद पाल, दशरथ पाल, स्थानीय नगरसेवक विक्रम प्रताप सिंह, सूरत से शिक्षक जयपाल, शेफर्ड टाइगर फोर्स के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष घनश्याम पाल,शेषधर पाल, रामबाबू पाल, राधम के रामदरश पाल, राजेश पाल धनगर, छोटेलाल पाल,उमाशंकर पाल, गंगा पाल, पाल युवा वाहिनी के बबलू पाल पाल एकता मंच के राजाराम पाल, शिक्षक गुलाब पाल, राजेश पाल अगुवा सहित सैकड़ों स्वजातीय समाज के लोग मौजूद थे। इस मौके पर पाल विकास संघ के अध्यक्ष राजाराम पाल, कार्याध्यक्ष सुरेंद्र पाल, विनोद संग्राम पाल, सभाजीत पाल, शिवकुमार पाल सहित पाल विकास संघ के कार्यकताओं ने समाज के सेवा भाव में लगे रहे। वही महिलाओं का हल्दी कुंकुम कार्यक्रम भी आयोजित किया गया था, जहां पर बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थी। पाल विकास संघ के अध्यक्ष राजाराम पाल द्वारा पत्रकार धर्मेंद पाल, वरिष्ठ पत्रकार मनोज हितैषी, हिंदमाता मिरर के पत्रकार संतोष पाल, काशीवार्ता के पत्रकार राजेंद्र पाल का विशेष समान किया गया। मंच का संचालन सुचारु रूप से मनोज पाल ने किया। इसकी जानकारी महाराष्ट्र नव निर्माण सेना के नेता और पाल विकास संघ के कार्याध्यक्ष सुरेंद्र पाल ने दी।

शिवम होटल के कमरे में यात्री ने लगाई फांसी, सुसाइड नोट में लिखा अपनी अंतिम इच्छा

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शहर कोतवाली क्षेत्र के सुतहटी चौराहे पर स्थित शिवम होटल में एक युवक की लाश फांसी पर लटकती मिली। यह घटना मंगलवार दोपहर को प्रकाश में आई। मृतक की पहचान बिहार के जहानाबाद जनपद के नोनहनीमठ गांव निवासी अभिमन्यु कुमार (24) के रूप में हुई। पुलिस के अनुसार, अभिमन्यु कुमार ने सोमवार शाम 6:25 बजे होटल शिवम में कमरा नंबर 106 बुक कराया और उसमें ठहरने गया। मंगलवार सुबह देर तक जब उसने दरवाजा नहीं खोला, तो होटल संचालक ने पुलिस को सूचना दी। घटनास्थल पर पहुंचे शहर कोतवाल मिथिलेश कुमार मिश्रा,चौकी प्रभारी भंडारी गोपाल तिवारी,और शकर मंडी चौकी प्रभारी कंचन पांडे ने टीम के साथ दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया। कमरे में देखा गया कि अभिमन्यु ने छत के पंखे से गमछे के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस को मृतक के पास से एक सुसाइड नोट मिला। जिसमें उसने अपनी इच्छा से आत्महत्या करने की बात लिखी है। नोट में लिखा था, मेरी गलती माफ करने लायक नहीं है। मैं अपनी मर्जी से यह कदम उठा रहा हूं। पुलिस ने सुसाइड नोट में दिए गए मोबाइल नंबर के जरिए मृतक के परिजनों को घटना की जानकारी दी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। शहर कोतवाल ने बताया कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। फिलहाल यह आत्महत्या का मामला प्रतीत हो रहा है। लेकिन अन्य संभावनाओं को भी खारिज नहीं किया जा सकता। यह घटना पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है। पुलिस मृतक के परिजनों और दोस्तों से पूछताछ कर मामले की गहराई तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

अयोध्या में नए साल के पहले दिन भक्तों की भीड़ बना सकती है रिकॉर्ड

सभी होटल-गेस्ट हाउस हुए फुल

अयोध्या। नववर्ष 2025 की अगवानी रामलला के दर्शन-पूजन से होगी। नए साल के पहले दिन बुधवार को राम मंदिर में दो लाख से अधिक श्रद्धालुओं के उमड़ने की संभावना है। नववर्ष की पूर्व संध्या पर मंगलवार को आस्था का नजारा रामनगरी में नजर आया। रामलला व हनुमंतलला के दरबार में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। रामपथ से लेकर भक्ति पथ तक पूरे दिन श्रद्धालुओं के जयघोष गूंजते रहे।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद यह पहला नया साल है। इस मौके पर अयोध्या में भारी भीड़ उमड़ने की उम्मीद है। रामनगरी धार्मिक पर्यटन का हब बन चुकी है। इसका प्रमाण यह है कि पिछले 25 दिसंबर से ही रामलला के दर्शन के लिए अयोध्या में रोजाना एक लाख से अधिक भक्त पहुंच रहे हैं। नए साल पर यह संख्या बढ़कर दो लाख तक पहुंचने का अनुमान लगाया जा रहा है।

नववर्ष पर रामलला के दर्शन का रिकॉर्ड भी बनने की उम्मीद है। रामलला और हनुमानगढ़ी के दर्शन कर नए साल के पहले दिन की शुरूआत करने के लिए बड़ी संख्या में लोग अयोध्या पहुंचेंगे। इसमें स्थानीय के साथ आसपास के जिलों और अन्य प्रदेशों के भी श्रद्धालु शामिल होंगे। इससे पहले मंगलवार को रामलला के दरबार में एक लाख से अधिक भक्त पहुंचे। जबकि हनुमानगढ़ी में सुबह पांच से लेकर रात नौ बजे तक दर्शन के लिए कतार लगी रही। भीड़ नियंत्रण के लिए प्रशासन ने जगह-जगह यातायात डायवर्जन लागू कर रखा है। टेढ़ी बाजार से वाहनों का प्रवेश रोक दिया गया। वहीं रामघाट व लता चौक से भी चार पहिया वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहा। पांच अगस्त वर्ष 2020 को राम मंदिर के भूमि पूजन के बाद कोरोना ने यहां आने की इच्छा संजोए श्रद्धालुओं के पैरों में बेड़ी डाल दी। वर्ष 2021 भी कोरोना के साये में ही बीता। 2022 में बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचे थे। इसके बाद से यह संख्या बढ़ती ही गई। भव्य मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद से तो रोजाना 70 से 80 हजार भक्त रामलला के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। इस बार नया साल अयोध्या के छोटे और बड़े कारोबारियों के लिए नई उम्मीदें लेकर आया है। साल की शुरूआत में ही कारोबार को नए पंख लगने के प्रति वे पूरी तरह आश्वस्त हैं। हनुमानगढ़ी के पास प्रसाद बेचने वाले विकास गुप्त ने बताया कि नए साल से पहले ही अयोध्या में श्रद्धालु उमड़ रहे हैं। एक जनवरी को बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए आएंगे। नए साल पर अयोध्या में दर्शन-पूजन का क्रेज बढ़ा है। रामलला के दर्शन से साल की शुरूआत करने की चाहत है। साल 2025 का पहला दिन अयोध्या में बिताने के लिए होटलों के 90 फीसदी से ज्यादा कमरों की बुकिंग हो गई है। लोग अब होम स्टे और टेंट सिटी में बुकिंग का प्रयास कर रहे हैं। होटल व्यवसायी रामजी कहते हैं कि लोग नए वर्ष की शुरूआत दर्शन- पूजन से करना चाहते हैं। एक जनवरी को पूरे देश से श्रद्धालुओं के उमड़ने की संभावना है। अयोध्या। पंडित कौशल्या नंदन ने बताया कि एक जनवरी यानी साल 2025 के पहले दिन चंद्रमा और मंगल ग्रह के बीच समसप्तक योग बन रहा है। इससे साल के पहले दिन धन योग का निर्माण हो रहा है। साथ ही पौष मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि है। इस दिन धन योग के साथ हर्षण योग और उत्तराषाढ़ नक्षत्र का शुभ संयोग बन रहा है, जिससे नववर्ष का महत्व और भी बढ़ गया है। एक जनवरी मिथुन, सिंह, वृश्चिक समेत अन्य पांच राशियों के लिए बेहद खास रहने वाला है।

कुम्हार समाज की 200 से ज्यादा प्रतिभाओं का सम्मान

जिला स्तर पर हुए कुम्हार समाज के प्रतिभा सम्मान समारोह मे वक्ताओं ने समाज को स्वावलंबी बनाने और शिक्षित करने पर दिया जोर

झुंझुनूं (उत्तरशक्ति)। कुम्हार कर्मचारी एवं समाज सेवा समिति की ओर से रविवार को किसान कॉलोनी स्थित प्रजापति विकास संस्थान में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।जिसमें मुख्य अतिथि आईएएस पवन प्रजापति,कोटा रेलवे डिवीजन के सीनियर मैनेजर राजकुमार प्रजापत व एसपी शरद चौधरी रहे। अध्यक्षता डॉ.सहीराम कुमावत ने की। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि आर जे एस सुमित घोडेला, वित्त विभाग के संयुक्त निदेशक रणवीर गुरी, एसडीजी के सहायक निदेशक डॉ.प्रवीण कुमार, एडवोकेट सुरेंद्र लांबा,जिला प्रोटेक्शन ऑफिसर जयप्रकाश कुमावत, सेवा निवृत डीवाईएसपी मोहनलाल दादरवाल, भाजपा के जिला मंत्री महेंद्र चंदवा, रामेश्वर घासोलीया व श्री चंद थे। वक्ताओं ने समाज के युवाओं को स्वावलंबी बनने की दिशा में आगे बढ़ाने, शिक्षित होने, समाज में एकजुटकता बनाकर विकसित होने व सामाजिक बुराइयों का समाप्त करने का आह्वान अपने सम्बोधन में किया। समिति अध्यक्ष हरिराम ददरवाल ने बताया कि समारोह में 90% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले, जिमनास्टिक में गोल्ड मेडल जितने वाले,चयनित व्याख्याताओ, अन्य क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले करीब 200 से ज्यादा प्रतिभाओं व समाज सेवा में योगदान देने वाले भामाशाहओ का भी इस मौके पर सम्मान किया। रामचंद्र श्रेया, महेंद्र दादरवाल, डॉ. ओमप्रकाश, पंकज किरोड़ीवाल, कुरडा राम नानवाल, राजेंद्र सनोदिया, रामनिवास उज्जीवल, विनोद, वीरेंद दारवाल, डॉ. राजेंद्र कुमावत, अध्यापक संतोष कुमावत, बिरजू राम कुमावत, राजेंद्र घोडेला, नरेंद्र बागोरिया, गोविंद कुंडलवाल, फूलचंद लुहानीवाल, अमोलक पारमुवाल, मूलचंद बिंवाल आदि मौजूद थे।

तत्कालीन डीएम, एडीएम समेत 27 अधिकारियों पर केस दर्ज

महराजगंज। शहर के हमीदनगर मोहल्ले में फरेंदा रोड के किनारे मनोज टिबडेवाल के घर को बगैर नोटिस दिए 13 सितंबर 2019 को तोड़ दिया गया था। इस मामले में तत्कालीन डीएम अमरनाथ उपाध्याय, एडीएम कुंज बिहारी समेत 27 अधिकारियों के खिलाफ सदर कोतवाली में केस दर्ज हुआ है। जिले में हुई इस बड़ी कार्रवाई को लेकर हडकंप मच गया है। हमीद नगर के रहने वाले मनोज टिबड़ेवाल ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट को 2019 में ही चिट्ठी भेजकर अपने साथ हुई घटना की जानकारी दी थी। उन्होंने बताया कि 13 सितंबर को नेशनल हाईवे निर्माण के दौरान उनका पुश्तैनी मकान गिरा दिया गया था। इससे पहले न तो जमीन का अधिग्रहण हुआ, न ही उन्हें अतिक्रमण को लेकर कोई नोटिस दिया गया था। अचानक मकान तोड़ दिया गया। यहां तक की घर में रखा सामान हटाने तक का मौका नहीं दिया गया। पहले ही सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार को आदेश दिया था कि उस व्यक्ति को 25 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाए, जिसका घर 2019 में गिराया गया था। कोर्ट के इस फैसले के बाद अन्य पीड़ितों को मुआवजा पाने की आस जगी है। महराजगंज कस्बे में वर्ष 2019 में हाईवे निर्माण के दौरान 123 लोगों के मकान तोड़े गए थे। इसमें हमीदनगर के मनोज की याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसला दिया था। इससे अन्य पीड़ितों को मदद पाने की आज जगी है। हैरानी वाली बात ये है कि जिस सड़क निर्माण के लिए बुलडोजर से 123 मकान तोड़े गए थे, वो अभी भी अधूरी है। अमरनाथ उपाध्याय, तत्कालीन जिलाधिकारी, महराजगंज (वर्तमान में निलंबित) कुंज बिहारी अग्रवाल, अपर जिलाधिकारी, राजेश जायसवाल, तत्कालीन अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका महराजगंज, मणिकांत अग्रवाल, कार्य अधीक्षक, लोनिवि, गोरखपुर, अशोक कन्नौजिया, अधीक्षण अभियंता, राष्ट्रीय मार्ग वृत्त, लोक निर्माण विभाग, लखनऊ दिग्विजय मिश्रा, आरओ नेशनल हाइवे आरके सिंह, स्थानीय अभियंता देवानंद यादव, स्थानीय अभियंता राकेश कुमार, अधिकृत अभियंता एसके वर्मा, टीम लीडर (अधारिटी इंजीनियर) अनुज सिंह, डायरेक्टर मालिक ठेकेदार, महाकालेश्वर इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड सुनील दिवेदी, डायरेक्टर मालिक ठेकेदार, महाकालेश्वर इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड एचएन पाल, प्रोजेक्ट मैनेजर, महाकालेश्वर इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड संतोष, कर्मचारी, महाकालेश्वर इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड, आशुतोष शुक्ल अपर पुलिस अधीक्षक, राजन श्रीवास्तव, निरीक्षक, स्थानीय अभिसूचना इकाई, संतोष सिंह, निरीक्षक, स्थानीय अभिसूचना इकाई, सर्वेश कुमार सिंह, शहर कोतवाल, निर्भय कुमार, इंस्पेक्टर, एसके सिंह रघुवंशी, सब इंस्पेक्टर नीरज राय, नगर चौकी इंचार्ज, अविनाश त्रिपाठी, सब इंस्पेक्टर, जयशंकर मिश्र, सब इंस्पेक्टर रणविजय, सब इंस्पेक्टर, कंचन राय, सब इंस्पेक्टर मनीषा सिंह, सब इंस्पेक्टर आदि पर केस दर्ज हुआ है।

यूपी के अवध में धर्मातरण के लिये मधेशी मॉडल का प्रयोग, अयोध्या के साथ प्रदेश के इन जिलों में गहरी पैठ

लखनऊ । अवध क्षेत्र में अब नेपाल का मधेशी मतांतरण मॉडल अपनाया जा रहा है। ईसाई मिशनरियों को यहां मतांतरण के साथ ही वोटिंग पैटर्न बदलने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मधेश में सफल इस रणनीति को आगामी चुनाव में यहां आजमाया जा सकता है। मिशनरियों की सक्रियता से सीतापुर, बाराबंकी, बहराइच, श्रावस्ती, सुल्तानपुर और अंबेडकरनगर भी अछूता नहीं है। बलरामपुर, श्रावस्ती व बहराइच का बुरा हाल है।

सुरक्षा एजेंसियों ने केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजी रिपोर्ट में मिशनरियों के बदले तरीके पर सचेत किया है। लखनऊ के एक चर्चित पब्लिशिंग हाउस की गतिविधियों को संदिग्ध बताया है। एक और अहम बदलाव दशार्या है कि यहां कोरियन पास्टरों को मतांतरण की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जो बंगलुरु, पंजाब के जालंधर व केरल तक की मजबूत कड़ी बने हुए हैं। ब्राजील, अमेरिका व साउथ कोरिया से मिले फंड को खर्च किया जा रहा है। निशाने पर मतांतरण के लिए ईसाई मिशनरियों के निशाने पर गरीब, असहाय, दलित, सीमावर्ती थारू जनजाति व रायसिख समाज है। अवध क्षेत्र में सामने आए मतांतरण के मामलों में इन्हीं की सर्वाधिक भागीदारी रही है।

सीतापुर के अनुभव पहले हिंदू थे। दो वर्ष पहले उन्होंने ईसाई धर्म अपना लिया। उनका कहना है कि बाइबिल पढ़ने के बाद जीवन में व्यापक बदलाव आया। आर्थिक स्थिति सही हुई। स्वास्थ्य भी सही रहने लगा। इस चमत्कार ने उन्हें ईसाई बनाया। ऐसी ही कहानी अयोध्या क्षेत्र के सुरेश की भी है। ये

वे ईसाई हैं, जिन्होंने हाल के वर्षों में चमत्कार से चंगाई हासिल करने के दावे के बाद धर्म परिवर्तन किया है।

सीतापुर में मतांतरण के आरोप में गिरफ्तार पादरी डैनविल बताते हैं कि हम धर्म परिवर्तन की बजाय हृदय परिवर्तन पर जोर देते हैं। हमारे अनुयायी दस्तावेज पर हिंदू ही रहते हैं। मतांतरण के बाद भी वे नाम नहीं बदलते। इससे वह अपने समाज से नहीं कटते। लेकिन धीरे-धीरे ईसा मसीह के भक्त हो जाते हैं। इस तरह उन्हें धर्म परिवर्तन की घोषणा की जरूरत नहीं होती और वे कानूनी कार्रवाई से भी बच जाते हैं।

मतांतरण करने वाले परिवारों के पुरुषों की वेशभूषा तो सामान्य है। लेकिन महिलाओं में व्यापक बदलाव है। उन्होंने सौभाग्य की निशानी चूड़ी, बिंदी के साथ सिंदूर लगाना भी छोड़ दिया है।

चंगाई सभा में मरीजों और उनके परिजनों को प्रभावित करने के लिए उपचार में हाई पावर एंटीबायोटिक और स्टेरॉयड का प्रयोग किया जा रहा है। इससे वह कुछ समय में ही ठीक हो जा रहे हैं, जिसे चमत्कार बताकर ईसाई धर्म का बखान किया जाता है। बलरामपुर के डॉक्टर अजय सिंह के अनुसार यह प्रयोग मरीजों को तत्काल तो राहत देता है। लेकिन, इसका व्यापक दुष्परिणाम होता है। यह मोतियाबिंद और ग्लूकोमा, प्रतिरक्षा में कमी, मांसपेशियों की कमजोरी, हड्डियों में बदलाव का कारण भी बनता है।

पूरे नेपाल में 1951 तक ईसाई नहीं थे। 1961 में इनकी संख्या 458 हुई। 2011 में बढ़कर 3.76 लाख हो गई। ताजा आंकड़ों के अनुसार ईसाई 6.45 लाख हो गए हैं। नेशनल क्रिश्चियन कम्युनिटी सर्वे के आंकड़े के मुताबिक हिंदू बहुल देश में 7,859 चर्च हैं। सर्वाधिक चर्च और आबादी भारत से सटे मधेश क्षेत्रों में ही है। यहां की जिम्मेदारी कोरियाई पास्टर संभाले हैं। इन्होंने आर्थिक और अध्यात्मिक रूप से गरीब दलित समुदाय व जनजातियों पर काम शुरू किया। कोरियन वर्ल्ड मिशन एसोसिएशन के अनुसार नेपाल में इस समय 565 कोरियन मिशनरी परिवार हैं। काठमांडू के बाहर चीन प्रभावी दक्षिणी क्षेत्र में इनकी संख्या अधिक है। विदेश मामलों के जानकारी डॉ. उदय बताते हैं कि ईसाई मिशनरियों के विस्तार का ही असर है कि आज तक नेपाल में आधार के लिए परेशान अमेरिकी ने मजबूती से पैर जमाने शुरू कर दिए हैं। इससे चीन चिंतित भी है।

मनमोहन सिंह को मिलना चाहिए भारत रत्न, तेलंगाना विधानसभा ने पारित किया प्रस्ताव

तेलंगाना। प्रस्ताव के समर्थन में बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने सिंह को आधुनिक भारत का मूक वास्तुकाररु कहा। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि विधानसभा एक अलग प्रस्ताव पारित कर केंद्र से राष्ट्रीय राजधानी में पूर्व प्रधान मंत्री पीवी नरसिम्हा राव के लिए एक स्मारक स्थापित करने का आग्रह करे। चर्चा के बाद, प्रस्ताव को पार्टी लाइनों से परे सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से पारित किया गया, साथ ही विधानसभा ने दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि देते हुए दो मिनट का मौन भी रखा। हालाँकि,

विपक्ष के नेता के चन्द्रशेखर राव सत्र में शामिल नहीं हुए। रेड्डी ने सिंह की मृत्यु को देश के लिए अपूरणीय क्षति बताया और तेलंगाना की आकांक्षाओं को पूरा करने में उनके नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने घोषणा की कि राज्य सरकार उनके योगदान की मान्यता में हैदराबाद के वित्तीय जिले में सिंह की एक प्रतिमा स्थापित करेगी। प्रस्ताव के समर्थन में बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने सिंह को आधुनिक भारत का मूक वास्तुकाररु कहा। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि विधानसभा एक अलग प्रस्ताव पारित कर केंद्र से राष्ट्रीय राजधानी में पूर्व प्रधान मंत्री पीवी नरसिम्हा राव के लिए एक स्मारक स्थापित करने का आग्रह करे।